दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

2009 से स्थापित

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'परिवर्तन का शोर मचाना आसान है, लेकिन सच्चा बदलाव वही लाता है जो खुद अपने सिद्धांतों पर अडिग रहकर उदाहरण प्रस्तुत करता है।'

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-162 | झुंझुनू (राजस्थान) | बुधवार, 6 मई, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

'भ्रष्टाचार के विरुद्ध जनलहर या नई राजनीति का भ्रम?–परिवर्तन की दिशा में जनता का मिज़ाज '

भारतीय लोकतंत्र का इतिहास केवल सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि जनभावनाओं के उतार-चढ़ाव का भी इतिहास रहा है। जब-जब जनता ने व्यवस्था से निराशा महसूस की है, तब-तब उसने नए नेतृत्व और नई राजनीतिक शक्तियों को अवसर दिया है। वर्तमान समय में भी राजनीति के इसी संक्रमण काल को हम देख रहे हैं, जहाँ भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज बुलंद करने वाले नेताओं और नई पार्टियों को जनता का समर्थन मिलता दिखाई दे रहा है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है। साल 2010 के दशक की शुरुआत में देश ने एक बड़े जनआंदोलन को देखा, जब अन्ना हजारे के नेतृत्व में लोकपाल की मांग को लेकर देशभर में आंदोलन खड़ा हुआ। दिल्ली के जंतर-मंतर से उठी यह आवाज केवल एक कानून की मांग नहीं थी, बल्कि व्यवस्था में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ जनता का गुस्सा थी। इस आंदोलन ने राजनीतिक परिदृश्य को भी प्रभावित किया और उसी जमीन से आम आदमी पार्टी का उदय हुआ। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में उभरी इस पार्टी ने 'झाड़ू' को भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रतीक बनाकर राजनीति में प्रवेश किया और देखते ही देखते दिल्ली में सत्ता स्थापित कर ली। बाद में पंजाब में भी इस पार्टी ने अपनी पकड़ बनाई। यह उदाहरण बताता है कि यदि कोई नेतृत्व जनता के मुद्दों को सही तरीके से उठाता है, तो वह स्थापित राजनीतिक दलों को चुनौती दे सकता है।

हालांकि, यह भी उतना ही सच है कि सत्ता में आने के बाद चुनौतियाँ बदल जाती हैं। जिस भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन खड़ा हुआ था, उसी के आरोप जब सत्ता में बैठे नेताओं पर लगने लगते हैं, तो जनता के मन में सवाल उठना स्वाभाविक है। हाल के वर्षों में, अरविंद केजरीवाल तथा मनीष सिसोदिया सहित कई नेताओं पर लगे आरोपों ने इस नई राजनीति की विश्वसनीयता को चुनौती दी है। इससे यह स्पष्ट होता है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाना जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही जरूरी है सत्ता में आने के बाद उस सिद्धांत पर कायम रहना। इसी संदर्भ में आज देश के विभिन्न हिस्सों में नई राजनीतिक शक्तियों के उभरने की चर्चा हो रही है। दक्षिण भारत में वर्ष 2024 में थलपति विजय द्वारा बनाई गई तमिलगा वेत्री कझगम को लेकर भी व्यापक चर्चा है। हालांकि यह स्पष्ट करना जरूरी है कि अभी हाल ही में फिल्मी नायक विजय की टीवीके पार्टी ने हाल ही में तमिलनाडु में सबसे ज्यादा सीटों पर चुनाव जीतकर सत्ता के करीब पहुंची है, यह चुनावी परिणाम उनके द्वारा उठाए जा रहे मुद्दे–विशेषकर भ्रष्टाचार विरोध और सामाजिक न्याय–युवाओं और वंचित वर्गों के बीच आकर्षण का केंद्र बन रहे हैं। यहाँ एक महत्वपूर्ण बात समझने की है कि आज का मतदाता पहले से अधिक जागरूक है। वह केवल जाति, धर्म या परंपरागत राजनीति के आधार पर निर्णय नहीं लेना चाहता, बल्कि वह पारदर्शिता, जवाबदेही और ईमानदारी जैसे मुद्दों को महत्व दे रहा है। यही कारण है कि जब भी कोई नेतृत्व भ्रष्टाचार के खिलाफ सशक्त आवाज उठाता है, उसे जनता का समर्थन मिलता है। लेकिन क्या केवल भ्रष्टाचार विरोध ही राजनीति में स्थायी बदलाव ला सकता है? इसका उत्तर थोड़ा जटिल है। भ्रष्टाचार निश्चित रूप से एक बड़ा मुद्दा है, लेकिन इसके साथ-साथ शासन क्षमता, नीतिगत स्पष्टता, आर्थिक दृष्टिकोण और सामाजिक संतुलन भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। यदि कोई पार्टी केवल विरोध की राजनीति तक सीमित रहती है और सकारात्मक विकल्प प्रस्तुत नहीं कर पाती, तो उसका प्रभाव सीमित रह जाता है। आज के राजनीतिक परिदृश्य में भारतीय जनता पार्टी का व्यापक प्रभाव देखने को मिलता है। लगातार चुनावी सफलताओं ने उसे एक मजबूत राष्ट्रीय शक्ति के रूप में स्थापित किया है। ऐसे में विपक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह केवल आलोचना तक सीमित न रहे, बल्कि एक ठोस और विश्वसनीय विकल्प प्रस्तुत करे। फिलहाल विपक्षी दलों में वैसी एकजुटता और स्पष्ट नेतृत्व की कमी दिखाई देती है, जो सत्तारूढ़ दल को प्रभावी चुनौती दे सके। इस स्थिति में जनता की नजर स्वाभाविक रूप से नए विकल्पों की ओर जाती है। लेकिन यह भी याद रखना होगा कि हर नया विकल्प स्थायी समाधान नहीं होता। इतिहास गवाह है कि कई आंदोलन और नई पार्टियाँ उम्मीदों के साथ उभरीं, लेकिन समय के साथ वे भी उसी व्यवस्था का हिस्सा बन गईं, जिसका वे विरोध कर रही थीं।

अंततः, लोकतंत्र में असली शक्ति जनता के पास होती है। यदि जनता सच में बदलाव चाहती है, तो उसे केवल नारों और भावनाओं के आधार पर नहीं, बल्कि ठोस तथ्यों और नीतियों के आधार पर निर्णय लेना होगा। 'भ्रष्टाचार के खिलाफ गुस्सा जरूरी है, लेकिन बदलाव के लिए विवेक उससे भी ज्यादा जरूरी है।'

आज भारत एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहाँ नई राजनीति की संभावनाएँ और पुराने अनुभव दोनों साथ-साथ चल रहे हैं। यह समय है जागरूकता का, प्रश्न करने का और सही नेतृत्व चुनने का। तभी लोकतंत्र मजबूत होगा और वास्तविक परिवर्तन संभव हो सकेगा।

राजस्थान में संस्कृत विद्यालयों के जर्जर भवन बने खतरा, 44 स्कूल पूरी तरह खस्ताहाल

झुंझुनूं में 28 विद्यालयों के 144 कक्ष मरम्मत के इंतजार में, बजट के बावजूद काम शुरू नहीं

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

राजस्थान में संस्कृत शिक्षा व्यवस्था इन दिनों गंभीर संकट के दौर से गुजर रही है। प्रदेशभर में संस्कृत विद्यालयों के भवन जर्जर हालत में पहुंच चुके हैं और हालात इतने खराब हो गए हैं कि कई जगहों पर पढ़ाई करना विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए जोखिम भरा बन गया है। संस्कृत शिक्षा निदेशालय ने स्वयं स्वीकार किया है कि 44 विद्यालयों के भवन पूरी तरह खस्ताहाल हो चुके हैं और इन्हें तत्काल ढहाना आवश्यक है, ताकि किसी संभावित हादसे को टाला जा सके। निदेशालय से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार प्रदेश के 245 विद्यालयों में 776 कक्षा-कक्ष बेहद खराब स्थिति में हैं। इन कमरों में विद्यार्थियों का बैठना तक सुरक्षित नहीं माना जा रहा है। इसके अलावा 3239 कक्षा-कक्ष ऐसे हैं, जिनमें व्यापक मरम्मत की आवश्यकता है। लंबे समय से रखरखाव के अभाव में भवनों की स्थिति लगातार बिगड़ती चली गई है, जिससे अब यह समस्या विकराल रूप ले चुकी है।

झुंझुनूं जिले की स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक बनी हुई है। जिले में 28 संस्कृत विद्यालयों के भवन जर्जर अवस्था में हैं और कुल 144 कक्षा-कक्षों को तत्काल सुधार की जरूरत है। इनमें से चार विद्यालयों के 25 कमरे इतने अधिक खराब हो चुके हैं कि उन्हें कंडम घोषित कर दिया गया है और ये कभी भी गिर सकते हैं। ऐसे हालात में विद्यार्थी रोजाना अपनी जान जोखिम में डालकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं, जिससे अभिभावकों में भी भय का माहौल बना हुआ है। राज्य सरकार ने बजट वर्ष 2026-27 में इन जर्जर भवनों के पुनर्निर्माण और मरम्मत के लिए घोषणाएं की थीं। संस्कृत शिक्षा निदेशालय ने 24 मार्च 2026 को ही प्रस्ताव शासन उप सचिव को भेज दिए थे, लेकिन प्रशासनिक प्रक्रियाओं में देरी के चलते अब तक धरातल पर काम शुरू नहीं हो पाया है। मानसून नजदीक आने के साथ ही स्थिति और गंभीर होने की आशंका जताई जा रही है, क्योंकि बारिश के दौरान जर्जर भवनों के गिरने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। संस्कृत शिक्षा विभाग के उपनिदेशक डॉ. महेन्द्र कुमार शर्मा ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए संभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जर्जर भवनों को सुरक्षित तरीके से हटाया जाए और वर्तमान स्थिति की तथ्यात्मक रिपोर्ट तीन दिन के भीतर प्रस्तुत की जाए। उनका कहना है कि विद्यार्थियों और शिक्षकों की सुरक्षा सर्वोपरि है और किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं प्राथमिक अध्यापक संघ (लेवल-1) के स्टेट चेयरमैन खेमराज मीणा ने सरकार और प्रशासन पर सवाल उठाते हुए कहा है कि जर्जर छतों के नीचे पढ़ाई कराना सीधे तौर पर विद्यार्थियों और शिक्षकों की जान से खिलवाड़ है। उन्होंने मांग की कि बजट घोषणाओं को केवल कागजों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि मानसून से पहले ही मरम्मत और पुनर्निर्माण कार्य शुरू कराए जाएं, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। मौजूदा हालात यह संकेत दे रहे हैं कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह लापरवाही किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। हजारों छात्र आज भी ऐसे भवनों में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं, जिनकी दीवारों में दरारें हैं और छतें कमजोर हो चुकी हैं। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि प्रशासन त्वरित निर्णय लेते हुए सुरक्षा को प्राथमिकता दे और जर्जर भवनों के पुनर्निर्माण की प्रक्रिया को तुरंत शुरू करे।

एसपी का मेहाड़ा थाने पर औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं को लेकर दिए सख्त निर्देश

रिकॉर्ड, शस्त्रागार, मालखाना व लॉकअप की जांच, कार्मिकों को अनुशासन व संवेदनशीलता बरतने की हिदायत

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी।

जिला पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर ने मंगलवार को पुलिस थाना मेहाड़ा का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना परिसर सहित कार्यालय रिकॉर्ड, शस्त्रागार, मालखाना, लॉकअप, कम्प्यूटर कक्ष, एचएम कार्यालय और स्वागत कक्ष का बारीकी से निरीक्षण किया तथा विभिन्न रजिस्टरों की गहन जांच की।निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने रिकॉर्ड को सुव्यवस्थित एवं अद्यतन रखने के निर्देश दिए। उन्होंने शस्त्रागार में रखे हथियारों की जांच करते हुए उनकी सुरक्षा और नियमित रखरखाव सुनिश्चित करने पर जोर दिया। मालखाना में रखे जब्त सामानों का निरीक्षण कर उन्हें सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से रखने के निर्देश भी दिए गए।एसपी ने लॉकअप का निरीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। साथ ही थाने में दर्ज एफआईआर एवं परिवादों की समीक्षा कर उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर विशेष बल दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए ताकि आमजन को समय पर न्याय मिल सकें। निरीक्षण के दौरान कावेन्द्र सिंह सागर ने थाना स्टाफ से संवाद कर उनकी समस्याओं को भी सुना और समाधान के लिए आवश्यक आश्वासन दिया। उन्होंने पुलिस कर्मियों को अपने कर्तव्यों के प्रति सतर्क, अनुशासित और संवेदनशील रहने की हिदायत देते हुए आमजन के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पूर्ण तत्परता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने भविष्य में और बेहतर कार्य निष्पादन की अपेक्षा जताते हुए सभी कार्मिकों से कर्तव्यनिष्ठा और ईमानदारी के साथ कार्य करने का आह्वान किया। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक क्यूआईडीटी फूलचंद मीणा, वृताधिकारी खेतड़ी तथा थानाधिकारी मेहाड़ा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

भामाशाह हाजी दाऊद बेहलिम ने रेल ठहराव संघर्ष समिति को दिया 51 हजार रुपए का सहयोग

भीम प्रज्ञा न्यूज.रामगढ़ शेखावाटी।

क्षेत्र के विकास और जन-हित के कार्यों में अग्रणी रहने वाले प्रसिद्ध भामाशाह हाजी दाऊद बेहलिम ने एक बार फिर अपनी दरियादिली दिखाई है। उन्होंने कस्बे के विकास और रेल सुविधाओं के विस्तार के लिए समर्पित रेल ठहराव संघर्ष समिति के प्रयासों को संबल प्रदान करने हेतु रेल ठहराव संघर्ष समिति, रामगढ़ शेखावाटी को इक्यावन हजार रुपये का चेक भेंट कर समिति के प्रयासों की सराहना की और उन्हें प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर भामाशाह हाजी दाऊद के भाई सलीम बेहलीम भी साथ रहे। उन्होंने संघर्ष समिति के महामंत्री व पूर्व पालिका अध्यक्ष मुजम्मिल भाटी, समाजसेवी ओमप्रकाश ऊंटवालिया को यह चेक सौंपा।

गौरतलब है कि संघर्ष समिति के अथक प्रयासों और एकजुटता के कारण ही ट्रेन संख्या 14701/14702 अमरापुर अरावली एक्सप्रेस का रामगढ़ शेखावाटी स्टेशन पर ठहराव संभव हो पाया है। ट्रेन के ठहराव से कस्बे के व्यापारियों और छात्रों सहित आसपास के दर्जनों गांवों की जनता को भी आवागमन में बड़ी राहत मिली है।चेक सौंपते समय हाजी दाऊद बेहलिम ने कहा कि 'रेल ठहराव संघर्ष समिति जिस निःस्वार्थ भाव से कस्बे की बेहतरी के लिए लड़ रही है, वह काबिले तारीफ है। मेरा यह छोटा सा सहयोग समिति के मनोबल को बढ़ाने के लिए है। हम चाहते हैं कि अरावली एक्सप्रेस की तरह अन्य महत्वपूर्ण ट्रेनों का भी यहाँ ठहराव हो, ताकि क्षेत्र का संपर्क देश के बड़े शहरों से और मजबूत हो सके। चेक स्वीकार करते हुए महामंत्री मुजम्मिल भाटी और समाजसेवी ओमप्रकाश ऊंटवालिया ने भामाशाह परिवार का आभार जताया।

मंडावा तहसील में ग्रामीण जनगणना प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत

पंचायत समिति सभागार में प्रगणकों को दिया जा रहा प्रशिक्षण

168 कर्मचारियों की टीम, 25 सुपरवाइजर और 130 फील्ड स्टाफ तैनात

4 बेंच गठित, हर बेंच को 3 दिन तक दिया जाएगा प्रशिक्षण

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । मंडावा उपखंड में मंडावा तहसील की ग्रामीण जनगणना 2026 के पहले चरण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। पंचायत समिति सभागार में तहसीलदार डॉ. सुरेंद्र भास्कर के नेतृत्व में ग्रामीण स्तर पर प्रगणकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत दूसरे चरण की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है, ताकि जनगणना का कार्य सुचारू रूप से संपन्न हो सके। पहले चरण में 1 मई से 15 मई तक नागरिकों को 'स्व-गणना' के तहत ऑनलाइन पोर्टल पर अपने परिवार की जानकारी स्वयं दर्ज करने का अवसर दिया गया है। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे समय रहते सही और पूरी जानकारी भरें, जिससे डेटा अधिक सटीक और पारदर्शी बन सकें। वहीं, दूसरे चरण की शुरुआत 16 मई से होगी, जिसमें जनगणना की टीमें घर-घर जाकर जानकारी एकत्रित करेंगी। इस कार्य के लिए मंडावा तहसील में कुल 168 कर्मचारियों की टीम तैनात की गई है, जिसमें 25 सुपरवाइजर और करीब 130 फील्ड कर्मचारी शामिल हैं।

तहसीलदार डॉ. सुरेंद्र भास्कर ने बताया कि ग्रामीण स्तर पर 4 बेंच का गठन किया गया है और प्रत्येक बेंच को तीन दिन तक 2 ट्रेनरों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। ट्रेनर अनिल कुमार ने जनगणना को एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय प्रक्रिया बताते हुए नागरिकों से इसमें सक्रिय भागीदारी की अपील की है। प्रशासन का मानना है कि स्व-गणना की इस पहल से प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय बनेगी, जिससे भविष्य की विकास योजनाओं के लिए सटीक आंकड़े उपलब्ध हो सकेंगे।

दीपिका शर्मा बनीं सीकर जिला मानवाधिकार विकास संघ महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष

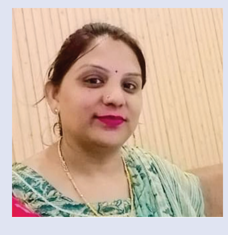

भीम प्रज्ञा न्यूज.सीकर।

सीकर जिले में सामाजिक क्षेत्र से जुड़ी सक्रिय कार्यकर्ता दीपिका शर्मा को मानवाधिकार विकास संघ के महिला प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश तंवर द्वारा जिला अध्यक्ष डॉ. दिलीप सिंह की अनुशंसा पर की गई है।मानवाधिकार विकास संघ एक सामाजिक संगठन है, जो समाज के कमजोर, शोषित और पीड़ित वर्गों के अधिकारों की रक्षा, जागरूकता फैलाने, कानूनी सहायता उपलब्ध कराने तथा अन्याय और भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष करने के लिए कार्य करता है। संगठन का उद्देश्य समाज में न्याय और समानता को बढ़ावा देना है।दीपिका शर्मा लंबे समय से विभिन्न सामाजिक संगठनों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। वे हिन्दू जागरण मंच, सीकर व्यापार मंडल और अखिल भारतीय महिला परिषद सहित कई संगठनों में विभिन्न पदों पर कार्य कर चुकी हैं। उनके अनुभव और सामाजिक सक्रियता को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। नई जिम्मेदारी मिलने पर मानवाधिकार विकास संघ के जिला, प्रांत और राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारियों ने खुशी जताते हुए उन्हें बधाई दी है। इसके साथ ही विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल, गो सेवा संघ सहित जयपुर, सीकर, श्रीमाधोपुर और खाटूश्यामजी क्षेत्र के कई सामाजिक संगठनों एवं लोगों ने भी उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।दीपिका शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगी और जल्द ही जिला कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा, ताकि संगठन के उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जा सके।

क्या आप भी जल्दी जल्दी नौकरी बदलते हैं? ये हैं फायदे एवं नुकसान

एक तो लोगों को नौकरी मिलना आज के समय में बेहद मुश्किल का कार्य है, वहीं कई लोग भाग्यशाली होते हैं, जिन्हें एक नौकरी छोड़ने से पहले ही दूसरी नौकरी मिल जाए! ऐसे में थोड़ी ग्रोथ के लिए लोगबाग जल्दी-जल्दी नौकरी चेंज करने लगते हैं। शायद आप भी उनमें से हों, किन्तु अगर आप भी जल्दी जल्दी नौकरी चेंज करते हैं तो यह जान लें कि शार्ट टर्म में बेशक इसके कुछ फायदे दिखें, किन्तु दीर्घावधि में इसका काफी नुक्सान होता है।

हालांकि अभी के समय में हालात यह हैं कि अब पहले की तरह लोग एक ही नौकरी पर बहुत दिन तक कार्य नहीं करते हैं, बल्कि नौकरी चेंज करने में वह अपनी ग्रोथ देखते हैं, और उसी अनुरूप डिसीजन भी लेते हैं।

किंतु जॉब बदलने का फैसला कुछ मामलों में बेशक ठीक लगता है, किंतु कुछ मामलों में यह कहीं ना कहीं नुकसान देता है। आइये जानते हैं.अगर फायदे की बात करें तो आप यह जान लीजिए कि जॉब बदलने में सबसे पहले तो कुछ परसेंट ही सही, मगर आपकी सैलरी बढ़ जाती है। निश्चित रूप से हर व्यक्ति चाहता है कि उसे उसके काम के अधिक से अधिक पैसे मिलें, और एक नौकरी में अगर उस अनुरूप ग्रोथ नहीं होती है, तो वह जॉब बदलना चाहता है, और ऐसे में उसे तुरंत ही ग्रोथ मिल जाती है।

वहीं अगर दूसरे फायदे की बात करें तो इससे पर्टिकुलर इंडस्ट्री में आपका नेटवर्क बेहतर होता है। अगर एक कंपनी में आप जॉब करते हैं, फिर दूसरी कंपनी में जाते हैं, और इस तरीके से अलग–अलग कंपनी में आपका बेस तैयार होता चला जाता है।

इसके अलावा सबसे बड़ी बात यह है कि एक ही कंपनी में काम करने पर आप कंफर्ट जोन में आ जाते हैं। आपकी स्किल कहीं ना कहीं सैचुरेट हो जाती है, तो दूसरी कंपनी में जब आप जाते हैं, तो वहां कुछ ना कुछ नया सीखने को अवश्य मिलता है। चाहे वहां आपका नया सीनियर हो, चाहे वहां का इनवायरमेंट हो, आप उस कंपनी से नई चीजें जरूर सीखते हैं, और यह वह चीज है जो आपको आने वाले दिनों में मजबूती करती है। इसके अलावा कई भारत लोग एक जगह पर कार्य करने से बोर भी हो जाते हैं, ऐसे में नयी जॉब में उन्हें नयापन भी मिलता है।

हालांकि यह इसका पॉजिटिव पक्ष है, किंतु कुछ निगेटिव पक्ष भी हैं, जिन्हें आपको अवश्य ध्यान में रखना चाहिए।

नुकसान की बात करें तो बार बार जॉब चेंज करने से पोजीशन के मामले में आपके आगे बढ़ने पर असर पड़ सकता है। जी हाँ! एक ही कंपनी में जब आप काम करते हैं, तो वहां आपकी कांस्टेंट ग्रोथ होती है। वहां आपको प्रमोशन मिलता रहता है, किंतु जब आप दूसरी कंपनी में जाते हैं, तो सीनियर पोजिशन पर आपको पहुंचने में कहीं ना कहीं दिक्कत होती है।

इससे आपकी लॉयल्टी भी चेक की जाती है। अगर आप कुछ ज्यादा ही जॉब चेंज करते हैं, तब आपको किसी हायर पोजिशन पर जॉब देने से एचआर मैनेजर निश्चित ही कई बार सोचेगा। कंपनी अगर किसी जिम्मेदारी वाली पोस्ट पर आप की हायरिंग कर भी लेती है, तो भी कंपनी श्योर नहीं हो पाती है कि आप आखिर कितने दिन जॉब करेंगे? कहीं आप बीच में ही जॉब छोड़ कर कहीं और तो नहीं चले जाएंगे? ऐसे में आप शक के घेरे में आ जाते हैं! यह कार्य सिर्फ पोजीशन के मामले में ही नहीं है, बल्कि प्रोजेक्ट अलॉटमेंट के मामले में भी है, तो क्लाइंट इंटरेक्शन के मामले में भी है। जब तक आप किसी कंपनी के लम्बे समय तक वफादार नहीं होते हैं, तब तक किसी बड़े प्रोजेक्ट की कमांड आपके हाथ में देने से निश्चित रूप से वह कंपनी हिचकिचाएगी। इसी प्रकार से बड़े क्लाइंट हैंडलिंग में भी कंपनी आपको तब तक इंवॉल्व नहीं करेगी, जब तक आप उसके प्रति लॉयल साबित न हो जाएँ! ऐसे में कहीं ना कहीं बड़ी संभावनाओं से आपके दूर रहने की शुरुआत हो जाती है।

कंपनी बार–बार चेंज करने का आपके फाइनेंसियल पोजीशन पर भी खासा असर पड़ता है। चाहे आप क्रेडिट कार्ड एप्लीकेशन के लिए अप्लाई करें, चाहे आप होम लोन या दूसरे लोन के लिए अप्लाई करें.आपकी फाइनेंशियल स्टेबिलिटी जरूर चेक की जाती है। आप किस कंपनी में कितने लंबे समय तक रहे हैं, यह आपके लिए एक प्लस प्वाइंट साबित होता है। वहीं अगर आप बार–बार अपनी जॉब चेंज करते हैं, तो कहीं ना कहीं आप की फाइनेंसियल स्टेबिलिटी पर एक सवाल खड़ा होता है।

मैनेजेरियल स्किल डेवलपमेंट पर पड़ता है फर्क

जी हां! ऊपर से आपको बेशक लगे कि आप कुछ चीजें ऊपर ऊपर समझ गए हैं, किंतु प्रबंधन के गुणों को आप तब तक नहीं समझ सकते, जब तक आप किसी कंपनी में देर तक नहीं टिकेंगे! कहीं टिक कर काम करने के बाद ही कंपनी पॉलिटिक्स, प्रबंधन टेक्निक आप समझ पाते हैं। कंपनी अपने इन्वेस्टमेंट डिसीजंस किस प्रकार लेती है, वास्तव में उसकी रुचि और भविष्य की योजनायें क्या हैं, यह आप गहराई से एक समय के बाद ही समझ पाते हैं। अगर बाद में आप कभी अपना उद्यम शुरू करना चाहें, तो इसलिए जरूरी है कि किसी कंपनी में आप देर तक टिक कर काम करें, अन्यथा आप उसकी गहराई को नहीं समझ पाएंगे।

पॉलीमर साइंस में बीटेक करने के बाद है शानदार करियर संभावनाएं

विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं।

मौजूदा तकनीकी दौर में पॉलीमर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल दिन–ब–दिन बढ़ता जा रहा है। इनमें प्लास्टिक, मोल्डेड सामग्री, सिंथेटिक फाइबर, रबर आदि शामिल हैं। ईको–फ्रेंडली और रीसाइक्लेबल प्लास्टिक के साथ इन सभी पॉलीमर प्रोडक्ट्स के उचित प्रबंधन की आवश्यकता भी समय के साथ बढ़ रही है। यह काम पॉलिमर इंजीनियर्स करते हैं। वे प्लांट डिजाइन, प्रोसेस डिजाइन और थर्मोडाइनेमिक्स के सिद्धांतों का उपयोग करते हैं। विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पॉलीमर साइंस में बीटेक के बाद करियर अवसर के बारे में जानकारी देंगे–

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के अवसर

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद आप सरकारी फर्मों जैसे सेंट्रल ग्लास एंड सिरेमिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, राउरकेला और सेंट्रल साल्ट एंड मरीन केमिकल्स रिसर्च इंस्टीट्यूट आदि में बतौर जूनियर रिसर्च फेलो काम कर सकते हैं। इन फेलोशिप कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने की आवश्यकता है। कुल मिलाकर कम से कम 55% अंकों के साथ एम ।टेक डिग्री प्राप्त करने के बाद कोई भी नेट के लिए बैठ सकता है। जिन उम्मीदवारों ने अपनी बी टेक डिग्री में 60% अंक प्राप्त किए हैं, वे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में वैज्ञानिक या इंजीनियर के रूप में 40,000/– रुपये के मासिक वेतन के साथ काम कर सकते हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन भी वैज्ञानिक बी पद की भूमिका में पॉलिमर इंजीनियरिंग स्नातकों की भर्ती करता है। इनके अलावा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड (बीसीपीएल) जैसे संगठन भी पॉलिमर इंजीनियरिंग में बी टेक स्नातकों को नियुक्त करते हैं। इनके अलावा स्नातक डिग्री धारक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, ऑयल इंडिया लेबोरेटरीज, पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग प्लांट्स और ऑयल एंड नेचुरल गैस कमीशन (ओएनजीसी) आदि विभागों में भी रोजगार पा सकते हैं। उम्मीदवार विभिन्न इंजीनियरिंग संस्थानों में लेक्चरर पद का विकल्प भी चुन सकते हैं।

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद निजी क्षेत्र के अवसर

जर्मन आधारित कंपनी विंडमोलर एंड होल्शर, अक्सर अपने मैकेनिकल इंजीनियरिंग अनुभाग में संचालन करने के लिए पॉलिमर इंजीनियरों की भर्ती करती है। 7 से 8 साल के कार्य अनुभव वाले लोग एलाइड सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में सेल्स/बिजनेस डेवलपमेंट सेक्शन में जा सकते हैं। यहाँ आप 35,000/– से रु।50,000/– प्रति माह तक की सैलरी पा सकते हैं। अपोलो टायर्स लिमिटेड, सिएट लिमिटेड आदि जैसी टायर कंपनियों को भी पॉलिमर इंजीनियर्स की जरूरत है। पॉलीमर इंजीनियरिंग में स्नातकों के लिए क्वालिटी इंजीनियर, प्रोडक्शन इंजीनियर्स/ टेक्नोलॉजिस्ट, पॉलीमर स्पेशलिस्ट आदि सामान्य जॉब प्रोफाइल हैं।

प्रतिभावान विद्यार्थियों को तराशती योजना
राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा

नेशनल टेलेंट सर्च यानी राष्ट्रीय प्रतिभा खोज एनसीईआरटी की एक प्रमुख योजना है। इसका उद्देश्य प्रतिभावान विद्यार्थियों का पता लगाना और उनकी प्रतिभा को बढ़ाना है। इसके तहत विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन और विधि जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है। यह योजना प्रतिभावान विद्यार्थियों को मासिक स्कॉलरशिप के रूप में आर्थिक मदद दे कर सहयोग देती है। इस योजना में बेसिक साइंस, सामाजिक विज्ञान और वाणिज्य के पाठ्यक्रमों के लिए पीएचडी स्तर तक सहायता प्रदान की जाती है। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों जैसे इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन एवं विधि के लिए पीजी स्तर तक सहायता दी जाती है। एनसीईआरटी द्वारा राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन कक्षा 8 स्तर पर किया जाता है।

स्कॉलरशिप

परीक्षा आयोजन के आधार पर कक्षा 8 की परीक्षाओं के लिए बैठे छात्रों के प्रत्येक समूह के लिए 1000 स्कॉलरशिप दी जाती हैं। स्कॉलरशिप की राशि प्रत्येक माह 500 रुपए होती है। अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए 15 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए 7.5 प्रतिशत और विकलांग छात्रों के लिए 3 प्रतिशत स्कॉलरशिप आरक्षित होती है। स्कॉलरशिप का भुगतान सीधे प्राप्तकर्ता को न देकर संबद्ध संस्थान के प्रमुख के माध्यम से दिया जाता है।

चयन प्रक्रिया

प्रतिभाओं की पहचान दो स्तरीय लिखित परीक्षा के आधार पर की जाती है। प्रथम स्तर का चयन अलग–अलग राज्य/यूनियन टेरेटरीज द्वारा लिखित परीक्षा के माध्यम से किया जाता है। प्रथम स्तर की परीक्षा में सफल अभ्यर्थी ही एनसीईआरटी द्वारा संचालित द्वितीय स्तर की परीक्षा में भाग लेने के लिए पात्र माने जाते हैं। राज्य और यूनियन टेरेटरीज राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना की प्रथम स्तर की लिखित परीक्षा के साथ राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना की भी परीक्षा आयोजित करते हैं।

पात्रता

मान्यताप्राप्त विद्यालयों के 8वीं कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थी उस राज्य/यूनियन टेरेटरी द्वारा संचालित प्रथम स्तर की परीक्षा में बैठने के पात्र होते हैं, जिस राज्य में विद्यालय स्थित है।

आवेदन प्रपत्र

आवेदन–प्रपत्र प्राप्त करने के लिये राज्य संपर्क अधिकारी से संपर्क करें। आवेदन–प्रपत्र एनसीईआरटी की वेबसाइट से भी डाउनलोड किया जा सकता है। भरे हुए आवेदन प्रपत्र विद्यालय के प्राचार्य द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथि तथा प्रपत्र कहां जमा कराया जायेगा, इस संबंध में संबंधित राज्य/संघ राज्य–क्षेत्र के संपर्क अधिकारी से पता किया जा सकता है। विभिन्न राज्यों की आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथियां भिन्न हो सकती हैं।

शुल्क

एनसीईआरटी द्वारा द्वितीय स्तर की परीक्षा के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता। राज्य और यूनियन टेरेटरी प्रथम परीक्षा के लिए अपेक्षित शुल्क के भुगतान के लिए अधिसूचना जारी कर सकते हैं। इसलिये आवेदन प्रपत्र जमा करने से पहले कितनी और कैसे फीस दी जायेगी, इसका पता अपने राज्य संपर्क अधिकारी से लगा लेना चाहिए।

परीक्षा माध्यम

परीक्षा हिन्दी व अंग्रेजी के साथ असमी, बंगला, गुजराती, कन्नड़, मराठी, मलयालम, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु, उर्दू में संचालित की जाएगी। अभ्यर्थी आवेदन प्रपत्र में जिस भाषा में परीक्षा देना चाहते हैं, उस विकल्प का उल्लेख करें। इसके आधार पर ही अभ्यर्थी को उस भाषा में प्रश्न पुस्तिका उपलब्ध कराई जाएगी।

परीक्षा–विधि

8वीं के लिए लिखित परीक्षा की विधि इस प्रकार है ः प्रथम स्तर की राज्य/ यूनियन टेरेटरी स्तर पर संचालित परीक्षा में दो भाग होंगे (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी)। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। द्वितीय स्तर की राष्ट्रीय स्तर पर संचालित परीक्षा में (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी) शामिल होंगे। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। (स) इंटरव्यू – इंटरव्यू के लिए उन्हीं अभ्यर्थियों को आमंत्रित किया जाएगा, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर संचालित लिखित परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

लिखित परीक्षा

लिखित परीक्षा में प्रथम भाग एमएटी और द्वितीय भाग एसएटी शामिल होंगे। दोनों परीक्षाएं एक छोटे से अंतराल पर अलग–अलग ली जाएंगी। मानसिक योग्यता परीक्षा–एमएटी – चार विकल्पों सहित इसमें 90 मल्टीच्वॉइस प्रश्न होंगे, जिनमें से केवल एक सही उत्तर होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। समय 90 मिनट होगा।

स्कॉलरशिप पाने की सामान्य शर्तें

स्कॉलरशिप प्राप्त करने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार अनुमोदित पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत हो। वह अच्छा आचरण बनाए रखता हो (संस्थान प्रमुख द्वारा प्रमाणित) और अपना अध्ययन एक नियमित विद्यार्थी के रूप में कर रहा हो। बिना उचित अवकाश के अनुपस्थित न होता हो। पूर्णकालिक आधार पर अध्ययन करता हो। कोई रोजगार नहीं करता हो। राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना पीएचडी कोर्स को छोड़ कर छात्रवृत्ति प्राप्तकत्ताओं को कोई अन्य स्कॉलरशिप स्वीकार करने से वंचित नहीं करती, अलबत्ता किसी भी पाठ्यक्रम के लिए विदेश में अध्ययन के लिए कोई स्कॉलरशिप उपलब्ध नहीं होगी। यदि कोई प्राप्तकर्ता पंजीकरण/प्रवेश के एक माह के अंदर अपने पाठ्यक्रम का अध्ययन छोड़ता है तो उसे कोई स्कॉलरशिप नहीं दी जाएगी।

विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र में हैं अपार संभावनाएं

विजुअल मर्चेंडाइजिंग शब्द भले ही कुछ लोगों के लिए नया हो, लेकिन सेल्स और एडवरटाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोग इससे भली-भांति वाकिफ हैं। विजुअल मर्चेंडाइजिंग वास्तव में एक आर्ट है, जिसमें एक व्यक्ति किसी प्रॉडक्ट या सर्विस को क्लाइंट्स के सामने कुछ इस तरह पेश करता है ताकि वह सेल्स को बढ़ावा दे सके। अब इस कॉन्सेप्ट को रिटेल सेक्टर में एक मार्केटिंग टूल के रूप में उपयोग किया जा रहा है। इस क्षेत्र में वह सभी गतिविधियां शामिल हैं, जो रिटेल स्टोर्स में उत्पादों की बिक्री बढ़ाने में मदद करती हैं। उदाहरण के तौर पर, प्रॉडक्ट के संभावित ग्राहकों के माइंड को समझना और उपभोक्ताओं को उत्पाद के बारे में शिक्षित करना व प्रॉडक्ट को बेहद इफेक्ट व क्रिएटिव तरीके से पेश करना आदि। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस करियर के बारे में

क्या है विजुअल मर्चेंडाइजिंग

एजुकेशन एक्सपर्ट बताते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोगों को विजुअल मर्चेंडाइजर कहा जाता है। विजुअल मर्चेंडाइजर ऐसे पेशेवर हैं जो किसी भी ब्रांड, एक चेहरे को देने के लिए जिम्मेदार हैं। वे ऑनलाइन शॉपर्स और रिटेल स्टोर दोनों के लिए विंडो और स्टोर डिस्प्ले में अवधारणा, डिजाइन और कार्यान्वयन करते हैं। वे स्टोर थीम की योजना बनाते हैं, डिस्प्ले के लिए प्रॉपर की व्यवस्था करते हैं, डिस्प्ले फिक्स्चर और लाइटिंग की व्यवस्था करते हैं, ओपनिंग से पहले स्टोर सेट करते हैं, फ़्लोर प्लान के साथ काम करते हैं और डिस्प्ले को बनाने के लिए सेल्स फ़्लोर पर स्टोर कर्मियों को प्रशिक्षित करते हैं। एक विजुअल मर्चेंडाइजर का मुख्य उद्देश्य स्टोर की छवि के अनुरूप डिस्प्ले बनाना और अधिक ग्राहकों को स्टोर में लाना है।

शैक्षणिक योग्यता

आजकल ऐसे कई इंस्टीट्यूट हैं जो विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स करवाते हैं। इस कोर्स को करने के लिए छात्र का 12वीं पास होना आवश्यक है। हालांकि अधिकतर जगहों पर विजुअल मर्चेंडाइजिंग को फैशन डिजाइनिंग या फैशन टेक्नोलॉजी कोर्स के तहत पढ़ाया जाता है।

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, विजुअल मर्चेंडाइजिंग के कोर्स में छात्रों को विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षित किया जाता है जैसे कि रिटेल स्टोर का लेआउट और डिजाइन, इंटीरियर डेकोरेशन, स्टोर के अंदर फर्नीचर और फिक्स्चर की स्थापना, स्टोर डिस्प्ले और उत्पादों की प्रस्तुति, विभिन्न संचार साधनों के उपयोग के जरिए ग्राहकों को आकर्षित करना।

व्यक्तिगत गुण

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों में डिजाइनिंग और क्रिएटिविटी के गुण का होना बेहद आवश्यक है। एक विजुअल मर्चेंडाइजर में बेहतरीन आर्गेनाइजिंग स्किल्स होने के साथ–साथ प्लानिंग, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट व टाइम मैनेजमेंट आदि विशेषताएं भी होनी चाहिए। इसके अलावा उनमें संचार व इंटरपर्सनल स्किल्स, समस्या सुलझाने की क्षमता और कंप्यूटर का ज्ञान होना भी जरूरी है। कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजर को उपभोक्ताओं के मनोविज्ञान को जानना आना चाहिए और उसे रूझानों का भी पूर्वानमान लगा लेना चाहिए।

संभावनाएं

शॉपिंग मॉल, फाइव स्टार होटल, बुटीक व रिटेल आउटलेट्स की संख्या बढ़ने के साथ ही विजुअल मर्चेंडाइजर्स की मांग में भी काफी इजाफा हुआ है। विजुअल मर्चेंडाइजर फैशन बुटीक, शॉपिंग मॉल, एम्पोरिया, डिजाइन कंपनी, आर्किटेक्चर फर्म, थीम पार्टी ऑर्गनाइजिंग कंपनी आदि में जॉब कर सकते हैं। वे प्रदर्शनियों, मेलों, ब्यूटी कॉन्टेस्ट, अवार्ड सेरेमनी, मॉल, रिटेल में विंडो डिस्प्ले के लिए अनुबंध के आधार पर फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में एक फ्रेशर भी दस से पंद्रह हजार आसानी से कमा सकता है। वहीं कुछ समय के अनुभव के बाद आप किसी बड़े ब्रांड के रिटेल आउटलिट में काम कर सकते हैं और एक आकर्षक पैकेज पा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर
- द सिंथेटिक एंड आर्ट सिल्क मिल्स रिसर्च एसोसिएशन, मुम्बई
- स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन एंड मैनेजमेंट स्टडीज, कोच्चि
- बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा

विधायक की चौपाल में उमड़ा जनसैलाब, रसीदपुर में समाधान की जगी उम्मीदें

साइंस संकाय और पानी के संकट पर बरसीं मांगें, विधायक राजेन्द्र ने अफसरों को थमाया निस्तारण का अल्टीमेटम

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । महवा विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत रसीदपुर के आईटी केंद्र पर सोमवार की शाम जनसमस्याओं के समाधान की साक्षी बनी, जहां रथ यात्रा अभियान के तहत आयोजित रात्रि चौपाल में ग्रामीणों का दर्द छलक पड़ा। शाम 6 बजे से शुरू होकर देर रात 10 बजे तक चली इस मैराथन जनसुनवाई में क्षेत्रीय विधायक राजेंद्र मीणा ने न केवल ग्रामीणों की चौखट पर बैठकर उनकी पीड़ा सुनी, बल्कि मौके पर मौजूद प्रशासनिक लवाजमे को त्वरित निस्तारण के कड़े निर्देश भी दिए। चौपाल की शुरुआत में जनसेवक भुवनेश त्रिवेदी एडवोकेट ने स्थानीय जनभावनाओं को मुखर करते हुए गांव की प्रमुख समस्याओं का पुलिंदा विधायक के समक्ष रखा, जिस पर विधायक ने एक-एक कर बिंदुवार चर्चा की। चौपाल में शिक्षा का मुद्दा सबसे ज्यादा गरमाया

रहा, जहां ग्रामीणों ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में विज्ञान संकाय (साइंस स्ट्रीम) खोलने की पुरजोर मांग उठाई ताकि गांव की प्रतिभाओं को उच्च शिक्षा के लिए बाहर न भटकना पड़े। साथ ही, महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूल के नए भवन और पेयजल के लिए हैंडपंप की मांग भी प्रमुखता से छाई रही। प्यास बुझाने की जद्दोजहद को देखते हुए बैरवा मोहल्ला,कोली मौहल्ला, जोगी मौहल्ला,सैनी

अनोखा और प्रभावशाली ग्रामीण कलेवर।

मंडावर की माटी की इस चौपाल ने सिद्ध कर दिया कि जब जनप्रतिनिधि और प्रशासन जनता के बीच बैठता है, तो लोकतंत्र की जड़ें और मजबूत होती हैं। विधायक ने साफ किया कि वे जनता के आशीर्वाद से ही इस पद पर हैं, इसलिए मूलभूत सुविधाओं के लिए किसी भी ग्रामीण को परेशान नहीं होने दिया जाएगा।

मौहल्ला सहित अंबेडकर भवन क्षेत्र में नए हैंडपंप लगाने तथा मंडील व देवी दासकी के बंद पड़े थ्री-फेज बोरवेलों को फिर से शुरू करने की गुहार लगाई गई। सड़क और बिजली की चरमराती व्यवस्था पर आक्रोश जताते हुए ग्रामीणों ने मीठा से महवा मार्ग के नवनिर्माण और बिजली फाल्ट से निजात दिलाने के लिए एक्सप्रेस फीडर को सुचारू करने की मांग की। विधायक राजेंद्र मीणा ने जनसमूह को आश्वस्त करते हुए स्पष्ट कहा कि विकास की राह में बजट की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी और जनता की सेवा ही उनका सर्वोपरि धर्म है। इस मौके पर उपखंड अधिकारी मनीषा रेशम, विकास अधिकारी सुनील मीना और नायब तहसीलदार वीरेंद्र मीना सहित आयुर्वेद अधिकारी राजकुमार मीना, सहायक अभियंता PWD लक्ष्मी नारायण मीना, सहायक अभियंता PHED कैलाश मीना सहित विभिन्न विभागों के ब्लॉक स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे, जिन्हें विधायक ने समस्याओं के समाधान की समयबद्ध रिपोर्ट पेश करने की हिदायत दी।

एससी-एसटी अत्याचार के मामलों को लेकर संघर्ष समिति ने उठाई आवाज, एसपी से की मुलाकात

तीन मामलों में कार्रवाई की मांग, निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कदम उठाने की अपील

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

झुंझुनूं जिले में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार विरोधी जिला संघर्ष समिति ने बढ़ते अत्याचार के मामलों को लेकर आवाज बुलंद की है। समिति के जिलाध्यक्ष रामानंद आर्य के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर से मुलाकात कर विभिन्न प्रकरणों की जानकारी दी और त्वरित कार्रवाई की मांग की।प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक के समक्ष तीन प्रमुख मामलों को गंभीरता से उठाया। पहला मामला सीतसर का है, जहां सज्जन कुमार को सड़क पर चलते समय मोटरसाइकिल से टक्कर मारकर घायल कर दिया गया। आरोप है कि इस दौरान उनके साथ जातिसूचक गालियां भी दी गईं, जिससे मामला और गंभीर हो गया।दूसरा मामला मंडावा मोड़ क्षेत्र का बताया गया, जहां मनोज कुमार, जो एमआरटीआई में कार्यरत थे, को

संस्था संचालक द्वारा कथित रूप से अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए नौकरी से निकाल दिया गया और उनके साथ मारपीट की गई। समिति का आरोप है कि इस मामले में अब तक पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज नहीं किया गया है, जिससे पीड़ित को न्याय नहीं मिल पा रहा है। तीसरा मामला केहरपुरा खुर्द गांव का है, जहां सुनील पुत्र सुवालाल मेघवाल और अजय के साथ मारपीट कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। दोनों घायलों को बीडीके अस्पताल, झुंझुनूं में तीन दिन तक भर्ती रहना पड़ा, लेकिन अब तक इस मामले में भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाया गया है। जिला महासचिव विकास आल्हा ने पुलिस अधीक्षक से सभी मामलों में शीघ्र, निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो समिति आंदोलन करने को मजबूर होगी। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल में संरक्षक बलबीर सिंह काला, जिला महासचिव विकास आल्हा, देवकरण महेरिया, सुनील सिरोवा, मनोज मेघवाल, सज्जन कुमार, सुनील कुमार, अजय, सुवालाल सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

बीडीके अस्पताल में लाखों की लागत के रोगीयों हेतू 11 जम्बो कुलर एवं 70 पंखे गोपीचंद गाडिया की ओर से भेंट

पूनीत कृष्ण गाडिया मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से अस्पताल के रोगी वार्डों में लगेंगे 20 जम्बो कूलर एवं 70 पंखे

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

जिले के सबसे बड़े राजकीय भगवानदास खेतान अस्पताल झुंझुनूं में भीषण गर्मी के मद्देनजर सामाजिक सरोकार एवं चिकित्सा सेवाओं के सुदृढ़ीकरण एवं आमजन के सेवार्थ हेतू भामाशाह आगे आ रहे हैं। पीएमओ एवं वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डा जितेंद्र भाम्बू ने बताया कि बीडीके अस्पताल के आरंभ होने से लेकर ही भामाशाहो का सदैव योगदान रहा है। अस्पताल में भामाशाहों द्वारा पार्कों को गोद लेकर विकसित करना, आमजन के लिए वाटर कूलर का दान देना जैसे कार्य निरंतर किए जाते रहे हैं। अप्रैल

माह में भीषण गर्मी के मद्देनजर गोपीचंद गाडिया द्वारा पुनीत कृष्ण गाडिया मेमोरियल ट्रस्ट की ओर से लाखों की लागत से 11 जम्बो कूलर एवं 70 पंखे 05 वर्ष की वारंटी सहित रोगीयो हेतू प्रदान किए गये है। तथा 9 अतिरिक्त जम्बो कूलर आगामी दिनों में प्रदान करने की ईच्छा जताई है।

पीएमओ डा जितेंद्र भाम्बू ने बताया कि व्हील चेयर, रोगी ट्रॉली, कूलर, पंखे, एसी दान करने से संबंधित भामाशाहों द्वारा निरंतर प्रस्ताव आ रहे हैं ?। जो कि बीडीके अस्पताल , झुंझुनूं के प्रति भामाशाहों का विश्वास एवं लगाव का परिचायक है। जंबो कूलर प्राप्त होते ही विभिन्न वार्डों के लिए आवंटित कर दिये गये है। उक्त कूलर सामान्यत बड़े क्षैत्रफल के बड़ी संख्या में आमजन के लिए लगायें जाते हैं। जिससे आमजन को गर्मी से राहत मिल सके।

अस्पताल में लू-तापघात वार्ड अलग से संचालित है।जो पूर्णतया वातानूकूलित है। विगत दिनों जिला कलेक्टर डा अरूण गर्ग की प्रेरणा से लायंस क्लब एवं श्याम आशीर्वाद सेवा समिति द्वारा वाटर कूलर दान किया गया था?। इस दौरान पीएमओ डा जितेंद्र भाम्बू, कपिल गाडिया, आरएमओ डा सिद्धार्थ शर्मा, कैंसर रोग विशेषज्ञ डा सुशील? सैनी, डा अरविंद जाखड़ , स्वास्थ्य प्रबंधक एवं राष्ट्रीय एसेसर डा नावेद अख्तर, नर्सिंग अधीक्षक ओमप्रकाश जांगीड़, प्यारेलाल, गंगाधर, सरिता, कविता, विजय उपस्थित रहे।

रंवा ग्राम पंचायत में प्रीति जेवरिया के सम्मान में भव्य समारोह 6 मई को

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी।

ग्राम पंचायत रंवा में 6 मई आज बुधवार को सुबह 10:15 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक अंबेडकर पार्क में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम प्रीति जेवरिया द्वारा IAS/IPS परीक्षा में 521वीं रैंक प्राप्त करने की उपलब्धि के उपलक्ष में आयोजित किया जा रहा है। समारोह का आयोजन बहादुरमल जेवरिया (भगत जी), शिवकुमार जेवरिया एडवोकेट (भाजपा नेता, झुंझुनूं), जेवरिया परिवार एवं ग्राम पंचायत रंवा के गणमान्य व्यक्तियों के संयुक्त प्रयास से किया जा रहा है। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में जानकारी दी गई कि समारोह में झुंझुनूं जिले के जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक सहित अन्य प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं पत्रकारगण उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम की विशेष आकर्षण के रूप में नवलगढ़ के प्रसिद्ध कवि हरीश हिंदुस्तानी भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे।आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस सम्मान समारोह की शोभा बढ़ाएं और प्रीति जेवरिया का उत्साहवर्धन करें।

मंडावर में मंदिर माफी भूमि पर 'संग्राम', पुजारी से मारपीट के आरोप : ठाकुर जी की जमीन को लेकर टकराव, सुरक्षा के दावों के बीच क्रॉस केस दर्ज

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । क्षेत्र के नगरपालिका क्षेत्र स्थित ठाकुर राधावल्लभ जी विराजमान मंदिर की माफी भूमि इन दिनों विवादों के भंवर में फंसी हुई है, जहां हाईकोर्ट के सख्त पहरे और सुरक्षा के निर्देशों के बावजूद सामाजिक टकराव की स्थिति पैदा हो गई है। क्षेत्र के गाँव मंडावर निवासी और स्वयं को मंदिर का वंशानुगत पुजारी बताने वाले ताराचंद शर्मा ने खसरा नंबर 1452 से 1455 तक की भूमि पर अपना पारंपरिक हक जताते हुए आरोप लगाया है कि कुछ नामजद प्रभावशाली लोगों की नजर इस जमीन पर है। पुजारी के मुताबिक, वर्ष 1940 से उसका परिवार भगवान की सेवा-पूजा और इस भूमि पर काश्त करता आ रहा है, लेकिन अब प्रभावशाली लोगो के हस्तक्षेप के चलते शांति भंग हो रही है। पुजारी ताराचंद शर्मा ने यह भी स्पष्ट किया है कि पूर्व में राजस्थान हाईकोर्ट जयपुर ने इस संवेदनशील मामले में दौसा जिला प्रशासन और स्थानीय पुलिस को भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित करने व चारदीवारी को लेकर कुछ स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए थे, लेकिन धरातल पर इन आदेशों की पालना महज कागजी साबित होती दिख रही है।

बीती 01 मई को विवाद ने उस समय तूल पकड़ लिया जब मंदिर माफी भूमि पर पुजारी के साथ कथित तौर पर मारपीट की घटना सामने आई। घटना की सूचना मिलते ही मंडावर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल अवस्था में पुजारी ताराचंद शर्मा को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मंडावर ले जाया गया, जहां पुलिस द्वारा उसका मेडिकल परीक्षण करवाया गया। पीड़ित पुजारी ने पुलिस को दी रिपोर्ट में मारपीट के साथ-साथ मोबाइल व नकदी छीनने के गंभीर आरोप भी लगाए हैं। दूसरी ओर, मामले में नया मोड़ तब आया जब विपक्षी खेमे की ओर से भी पुजारी के विरुद्ध एससी-एसटी एक्ट सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कराया गया। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर क्रॉस केस दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया है।

वहीं क्षेत्रीय कानूनी विशेषज्ञों और जानकारों का कहना है कि उच्च न्यायालय द्वारा पूर्व में ही जिला कलेक्टर, उपखंड अधिकारी और तहसीलदार को उक्त मंदिर माफी भूमि की चारदीवारी और पुजारी की सुरक्षा को लेकर स्पष्ट निर्देश थे, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। बावजूद इसके, दिनदहाड़े हुए इस टकराव ने प्रशासनिक मुस्तैदी और कानून के इकबाल पर गंभीर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। पुलिस अब दोनों ओर से दर्ज हुए मुकदमों की बारीकी से जांच कर रही है ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सकें।

सूरजगढ़ उपखंड अधिकारी के अनियमितता पूर्वक किए गए कृत्यों एवं अमर्यादित व्यवहार को लेकर अधिवक्ताओं का 49वें दिन भी धरना जारी रहा

भीम प्रज्ञा न्यूज.सूरजगढ़।

सूरजगढ़ उपखंड अधिकारी की कार्यशैली के विरोध में अधिवक्ताओं का धरना प्रदर्शन 49 वें दिन भी जारी रहा। अभिभाषक संघ ने एसडीम दीपक चंदन के खिलाफ अविलंब कार्यवाही और स्थानांतरण की मांग को लेकर न्यायालय कार्य का बहिष्कार करते हुए भारी विरोध प्रदर्शन किया। अधिवक्ताओं का आरोप है कि एसडीएम ने एक न्यायिक कुर्सी पर रहते हुए असंवैधानिक और अन्याय पूर्ण कार्य किए हैं जो एक उपखंड अधिकारी को कानून के जानकार अधिवक्ताओं के साथ नियमों को ताक पर रखकर अमर्यादित व्यवहार तथा नियम विरुद्ध कार्य नहीं करना चाहिए, जो किसी भी एंगल में एक उपखंड अधिकारी को शोभा नहीं देता। बार सदस्यों का कहना है कि उपखंड अधिकारी को नियम विरुद्ध किए की सजा जब तक नहीं मिलती है तब तक

धरना प्रदर्शन निरंतर जारी रहेगा। अधिवक्ताओं ने बताया कि सब डिविजन न्याय की कुर्सी पर बैठे इस अधिकारी को नियमों के विरुद्ध जाकर कदापि कार्य नहीं करना चाहिए उन सभी कार्यों को मनमर्जी से बिना सोचे समझे अंजाम देना इस अधिकारी की फितरत रही है, जिसके चलते उपखंड के अधिवक्ताओं में नाराजगी एवं भारी आक्रोश व्याप्त है।अभिभाषक संघ ने चेतावनी दी है कि यदि एसडीएम दीपक चंदन पर शीघ्र कार्यवाही नहीं की गई तो आंदोलन को और अधिक तेज किया जाएगा। एडवोकेट मदन सिंह राठौड़, शिवराज सिंह राठौड़, अरविंद भगत, दीपक शर्मा, अभिषेक सेवदा, अजय जडेजा, पंकज, संजू तंवर, पीयूष शर्मा, सुनील सोमरा, प्रदीप शर्मा, मनोज डिग्रवाल, एडवोकेट डॉ.महेश सैनी, राकेश वर्मा, पवन कुमावत, सुरेश दानोदिया, विनोद चांदोलिया, कपिल पाराशर, मानसिंह, शिवराज गोठड़िया, राजेश शर्मा, राहुल चौहान, सुनील शर्मा, दिनेश गांधी, बलवंत सिंह सहित कई अधिवक्ता धरने में शामिल रहें।

नगरपालिका कनीना उपचुनावः मतदान को लेकर पोलिंग पार्टियों को दिया प्रशिक्षण, 10 मई को होगा मतदान

भीम प्रज्ञा न्यूज.कनीना।

नगरपालिका कनीना के वार्ड संख्या-14 में होने वाले उपचुनाव के मद्देनजर आज नगरपालिका कार्यालय कनीना में पोलिंग पार्टियों को प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम एसडीएम कनीना एवं रिटर्निंग अधिकारी डॉ. जितेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। एसडीएम ने पीठासीन अधिकारियों एवं सहायक पोलिंग अधिकारियों को मतदान दिवस की विभिन्न जिम्मेदारियों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। साथ ही उन्हें ईवीएम मशीनों के संचालन, मतदाताओं की पहचान, मतदान प्रक्रिया, मतदान केंद्र पर आवश्यक व्यवस्थाओं तथा चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों की विस्तृत जानकारी दी गई। अधिकारियों को निर्देश दिए कि मतदान प्रक्रिया को सुचारू, निष्पक्ष एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न करवाने के लिए सभी पोलिंग पार्टी एवं कर्मचारी मतदान दिवस पर पूर्ण निष्ठा, सतर्कता एवं निष्पक्षता के साथ अपनी ड्यूटी का निर्वहन करें।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि नगरपालिका उपचुनाव के लिए स्ट्रॉन्ग रूम एवं डिस्पैच सेंटर राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कनीना में स्थापित किए गए हैं। आगामी 9 मई को इसी स्थल से पोलिंग पार्टियों को ईवीएम मशीनों सहित रवाना किया जाएगा। उन्होंने

बताया कि 10 मई को निर्धारित मतदान केंद्र पितामह कान्हसिंह धर्मशाला में मतदान प्रक्रिया संपन्न कराई जाएगी। मतदान उपरांत सभी पोलिंग पार्टियां पुनः राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कनीना में ही अपने चुनाव संबंधी सामग्री जमा करवाएंगी। उपचुनाव की मतगणना 13 मई को निर्धारित की गई है, जिसके बाद परिणाम घोषित किए जाएंगे।

खेतड़ी में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन, हृदय रोग विशेषज्ञ ने 55 मरीजों की जांच कर दी राहत

जीवन रेखा हॉस्पिटल की पहलः फरेरा मेडिकल पर लगे शिविर में लोगों को मिली विशेषज्ञ परामर्श व उपचार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी।

खेतड़ी कस्बे में जनस्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में मरीजों ने लाभ उठाया। योगेश भवन के सामने गोटा घर स्थित फरेरा मेडिकल पर जीवन रेखा हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, नीमकाथाना की ओर से आयोजित इस शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने सेवाएं प्रदान की। शिविर का उद्घाटन पूर्व अध्यक्ष विजेश शाह एवं शिक्षित रोजगार समिति के अध्यक्ष द्वारका प्रसाद फरेरा ने किया। इस दौरान हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. आनिन्दय मंडल ने 55 मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श एवं उपचार दिया। शिविर में मरीजों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के समाधान के साथ-साथ उचित जीवनशैली अपनाने की सलाह भी दी गई।

जनसेवा की सराहनीय पहल

आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार के चिकित्सा शिविरों का उद्देश्य ग्रामीण एवं कस्बाई क्षेत्रों के लोगों को विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना है, ताकि वे समय पर उपचार प्राप्त कर सकें। शिविर में आए मरीजों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे जनहित में उपयोगी कदम बताया। इस अवसर पर कैलाश फरेरा, आयुष, ललित, प्रवीण मरोड़िया, निखिलेश भंवर, जाजोरिया, दीपक भार्गव, लक्ष्मण सेन, चांद नवाब, माहेराज कुरैशी, राजेंद्र सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मातृशक्ति उद्यमिता योजना से आत्मनिर्भर होंगी महिलाएं

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

हरियाणा सरकार महिलाओ को सशक्त स्वावलंबी एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न प्रकार की कल्याणकारी योजनाओ का संचालन कर रही है। इनके माध्यम से महिलाओं को आर्थिक सहायता से लेकर स्वरोजगार स्थापित करने में सहायता प्रदान की जाती है। हरियाणा महिला विकास निगम द्वारा महिला सशक्तिरण की दिशा में हरियाणा मातृशक्ति उद्यमिता योजना संचालित की जा रही है। उपायुक्त अनुपमा अंजली ने बताया कि इस योजना का लाभ उन्हीं महिलाओं को मिलेगा जिनकी पारिवारिक आय 5 लाख या फिर इससे कम हो। यह योजना महिलाओं को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बेहद कारगर सिद्ध हो रही है तथा उनके जीवन स्तर में भी सुधार आ रहा है। डीसी ने बताया कि इस योजना के माध्यम से महिलाओं को 5 लाख तक का ऋण बैंक के माध्यम से प्रदान किया जाएगा जिसमें 7 प्रतिशत ब्याज महिला विकास निगम द्वारा वहन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस ऋण के माध्यम से प्रदेश की महिलाएं स्वरोजगार स्थापित करके दूसरे नागरिकों को भी रोजगार प्रदान कर सकेगी। योजना के आवेदन के लिए महिला के पास हरियाणा राज्य का स्थाई निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो व आय प्रमाण पत्र होना अनिवार्य है। इस संबंध में अन्य किसी जानकारी के लिए बस स्टैंड के नजदीक नरूला होटल के पीछे स्थित हरियाणा महिला विकास निगम कार्यालय में आकर तथा कार्यालय के दूरभाष नंबर 01282-250346 पर फोन कर जानकारी ले सकते हैं।

मोलाडिया फ्लावर अंडरपास बना 'तालाब', गंदे पानी में फंस रहे राहगीर

नालियों के जाम से हर बारिश में भरता है पानी, स्थानीय लोगों ने जताई नाराजगी

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । मोलाडिया फ्लावर के नीचे बने अंडरपास की हालत हर बारिश के बाद बद से बदतर हो जाती है। जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने और गंदी नालियों के जाम हो जाने के कारण अंडरपास में गंदा पानी भर जाता है, इस स्थिति में पैदल राहगीरों के साथ-साथ दुपहिया और चौपहिया वाहन चालकों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई बार वाहन पानी में बंद हो जाते हैं और लोगों को गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ता है, जिससे

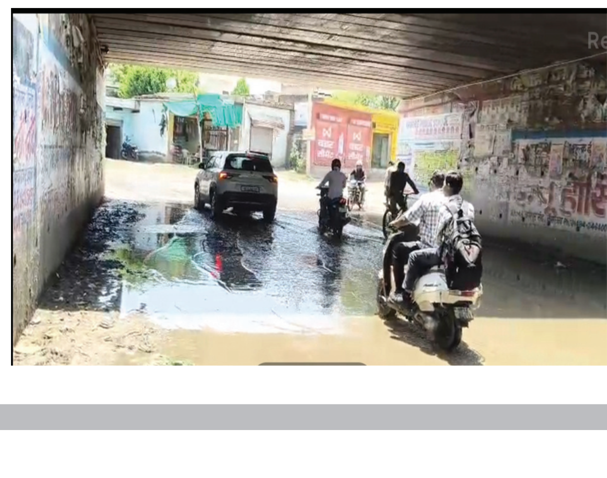

बीमारी फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नालों में कूड़ा-करकट और पॉलिथीन जमा होने से पानी की निकासी पूरी तरह ठप हो गई है। सफाई व्यवस्था चरमराई हुई है और समय पर नालों की सफाई नहीं की जाती। इसके चलते हल्की बारिश में भी अंडरपास में पानी जमा हो जाता है। लोगों ने बताया कि स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे ज्यादा दिक्कत होती है। कई बार लोग गिरकर चोटिल भी हो चुके हैं। नागरिकों का कहना है कि प्रशासन और नगर पालिका की लगातार लापरवाही के चलते यह समस्या दिन-ब-दिन विकराल होती जा रही है। कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। अंडरपास की इस (दुर्दशा से स्थानीय दुकानदारों का व्यापार भी प्रभावित हो रहा है, क्योंकि ग्राहक पानी से बचने के लिए इस रास्ते से आना-जाना बंद कर देते हैं। स्थानीय नागरिकों और प्रबुद्ध लोगों ने प्रशासन से इस गंभीर समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि नालों की नियमित सफाई करवाई जाए और जल निकासी की पुख्ता व्यवस्था की जाए ताकि लोगों को परेशानी न झेलनी पड़े। अब देखना यह है कि जनता की इस समस्या पर प्रशासन कब जागता है और कब तक अंडरपास को तालाब बनने से बचाया जा सकेगा।

कार्यालयः- महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय ओजटू

कमांकः- 3599 **दिनांक :-05.05.2026**

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय में ई वेस्ट (कंप्यूटर लैब का सामान की नीलामी दिनांक 21-05-2026 प्रातः 11:00 बजे रुपए 177500/-की जानी है अतः बोलीदाता जिनके पास जीएसटी लाइसेंस एवं पॉल्यूशन प्रमाण पत्र है। वह धरोहर राशि जमा करा, बोली में भाग ले सकते हैं।

प्रिंसिपल
महात्मा गांधी सरकारी स्कूल (इंग्लिश मीडियम) ओजटू,
चिड़ावा(झुंझुनू)

घर में घुसकर की मारपीट: पति व पत्नि के सिर फोड़े, जान से मारने की दी धमकी,मामला दर्ज

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । पुलिस थाना इलाके के गांव पाखर-2 में रविवार रात आपसी विवाद ने संघर्ष का रूप ले लिया, जहां कुछ व्यक्तियों ने एक घर में घुसकर वहाँ मौजूद पति और पत्नि पर जानलेवा हमला कर दिया। दर्ज रिपोर्ट के अनुसार, पीड़ित अमित बैरवा ने थाने में लिखित रिपोर्ट पेश कर बताया कि रविवार रात करीब 8:00 बजे जब वह अपने घर पर मौजूद था, तभी पाखर-2 के ही अशोक, सुमन और रूपनारायण एकराय होकर उसके घर में घुस आए। आरोपियों ने आते ही गाली-गलौज शुरू कर दी और जब पीड़ित ने इस अभद्रता का विरोध किया, तो आरोपियों ने लाठी-डंडों से अमित और उसकी पत्नि निशा पर हमला बोल दिया। इस अचानक हुए हमले में अमित और निशा के सिर व हाथों में गंभीर चोटें आई हैं, जिससे वे घायल हो गए। पीड़ित पक्ष ने आरोप लगाया है कि उक्त आरोपी लोग आए दिन बिना किसी कारण के झगड़ा करते हैं और अब उन्हें सरेआम जान से मारने की धमकियां दे रहे हैं, जिससे भय का माहौल बना हुआ है। मंडावर थाना पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए नामजद आरोपी अशोक, सुमन और रूपनारायण के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की तफ्तीश हेड कांस्टेबल ओमप्रकाश बैरवा को सौंपी गई है।

मानवता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म: सीजेएम नीलम कुमारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

विश्व रेडक्रॉस दिवस के उपलक्ष में आज रेडक्रॉस कार्यालय में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। उन्होंने रेडकास संस्थापक सर जीन हैन्नरी ड्यूनान्ट के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। शिविर में 54 रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। सीजेएम नीलम कुमारी ने रेडक्रॉस की जनहितकारी गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि मानवता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने युवाओं को जागरूक करते हुए कहा कि मानव रक्त का कोई विकल्प नहीं है और इसकी कमी केवल रक्तदान से ही पूरी की जा सकती है, इसलिए प्रत्येक नागरिक को इस पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए।इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के स्टाफ सदस्य, रक्तकोष इंचार्ज डॉ. संगीता यादव, कैम्प इंचार्ज राजकुमार व्यास, लेखा लिपिक ओमप्रकाश, जिला जेआरसी कोऑर्डिनेटर टेकचंद यादव, प्रवक्ता सुमन कुमारी, शोभा रानी, सुनील कुमार, अरुण कुमार एवं कौशल कुमार मौजूद थे।

महिला सुरक्षा टीम की पहल: गाँव कुम्हारिया के सरकारी स्कूल में छात्राओं को किया जागरूक

प्रभारी निरीक्षक मन्जु ने छात्राओं को सिखाए आत्मरक्षा और सुरक्षा के गुर

महिला सुरक्षा, कानूनी अधिकारों और हेल्पलाइन नंबरों के प्रति किया गया सजग

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार महिलाओं और छात्राओं को सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से चलाई जा रही मुहिम के तहत महिला सुरक्षा टीम द्वारा जागरूकता कार्यक्रमों का सिलसिला जारी है. इसी कड़ी में महिला सुरक्षा टीम की प्रभारी निरीक्षक मन्जु ने आज गाँव कुम्हारिया स्थित राजकीय स्कूल में छात्राओं के साथ एक विशेष संवाद सत्र आयोजित किया.

छात्राओं को सुरक्षा के प्रति किया सजग: कार्यक्रम के दौरान निरीक्षक मन्जु ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में छात्राओं का अपने अधिकारों और सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक होना अत्यंत आवश्यक है. उन्होंने छात्राओं को स्कूल आने-जाने के दौरान या सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी प्रकार की असुरक्षा महसूस होने पर तुरंत पुलिस की सहायता लेने के लिए प्रेरित किया.

प्रमुख बिंदु और मार्गदर्शन:

डायल 112 और हेल्पलाइन नंबर: छात्राओं को बताया गया कि किसी भी आपातकालीन स्थिति में वे तुरंत डायल 112 पर कॉल कर पुलिस सहायता प्राप्त कर सकती हैं. इसके साथ ही उन्हें महिला हेल्पलाइन नंबरों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई.

सोशल मीडिया से सावधानी: डिजिटल युग में सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए छात्राओं को सतर्क रहने की सलाह दी गई. उन्हें समझाया गया कि अपनी निजी तस्वीरें या जानकारी किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा न करें और किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें.

गुड टच-बैड टच की जानकारी: छात्राओं को 'गुड टच और बैड टच' के बीच अंतर को स्पष्ट रूप से समझाया गया. उन्हें प्रेरित किया गया कि यदि उनके साथ कोई भी अनुचित व्यवहार करने की कोशिश करे, तो वे बिना डरे अपने अभिभावकों, शिक्षकों या पुलिस को सूचित करें.

आत्मरक्षा और आत्मविश्वास: छात्राओं को किसी भी विपरीत परिस्थिति में घबराने के बजाय आत्मविश्वास के साथ उसका सामना करने और अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के व्यावहारिक तरीके बताए गए। निरीक्षक मन्जु ने छात्राओं को महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनाए गए विशेष कानूनों और उनके कानूनी अधिकारों के बारे में सरल भाषा में जानकारी प्रदान की।

शिक्षकों और छात्राओं का उत्साह: स्कूल प्रबंधन और शिक्षकों ने पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से छात्राओं के भीतर सुरक्षा की भावना प्रबल होती है और उनमें आत्मविश्वास बढ़ता है. कार्यक्रम के अंत में छात्राओं ने अपनी जिज्ञासाओं को लेकर सवाल भी पूछे, जिनका निरीक्षक मन्जु ने संतोषजनक उत्तर दिया।

25 देशों की मौजूदगी में जयपुर में होगा अंतरराष्ट्रीय समरसता मंच का भव्य सम्मेलन, सुनील चाहर महमदपुर को मिलेगा 'कर्म श्री अवार्ड'

श्रमिक दिवस समापन पर सांस्कृतिक समन्वय सम्मेलन का आयोजन, न्यायमूर्ति जे.के. राका होंगे विशिष्ट अतिथि

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर।

रमेशचंद । अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस समापन महोत्सव के उपलक्ष्य में अंतरराष्ट्रीय समरसता मंच द्वारा 13 मई 2026 को जयपुर में सांस्कृतिक समन्वय सम्मेलन एवं विचार-प्रस्तुति कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस अंतरराष्ट्रीय स्तर के समारोह में 25 राष्ट्रों के प्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी, जो वैश्विक भाईचारे और सांस्कृतिक एकता का संदेश देगा। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण समाज सेवा, शिक्षा, न्याय, चिकित्सा, उद्योग एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को 'कर्म श्री अवार्ड' से सम्मानित करना होगा। इसी क्रम में महमदपुर निवासी सुनील चाहर को समाज उत्थान एवं सांस्कृतिक संरक्षण के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए 13 मई को 'कर्म श्री अवार्ड' से सम्मानित किया जाएगा। सुनील चाहर लंबे समय से सामाजिक सरोकारों और लोक संस्कृति के संरक्षण के लिए कार्य कर रहे हैं। इस भव्य समारोह में न्यायमूर्ति जे.के. राका विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा देश-विदेश से कई गणमान्य अतिथि, बुद्धिजीवी और समाजसेवी भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं का सम्मान करने के साथ-साथ एक विशेष विचार- प्रस्तुति कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा, जिसमें समसामयिक विषयों पर गहन मंथन होगा। आयोजकों के अनुसार यह कार्यक्रम समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने, सांस्कृतिक जागरूकता बढ़ाने और वैश्विक भाईचारे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। 25 देशों की सहभागिता से यह आयोजन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आपसी समन्वय और समरसता की मिसाल पेश करेगा।

ओबीसी आयोग सदस्य पवन मावंडिया ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात, जीत पर दी बधाई

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं राज्य ओबीसी आयोग के सदस्य पवन मावंडिया ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात कर तीन राज्यों में भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर उन्हें मिठाई खिलाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई दी। मंगलवार दोपहर मुख्यमंत्री आवास पर हुई इस मुलाकात के दौरान मावंडिया ने झुंझुनूं जिले में बिजली और पेयजल की समस्याओं सहित विभिन्न राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा कर मुख्यमंत्री से मार्गदर्शन प्राप्त किया।

फतेहाबाद के रतिया पुलिस की त्वरित कार्यवाही: महिला टीचर से बैग छीनने वाले दो आरोपी काबू

आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद

बी.डी.पी.ओ. ब्लॉक के पास दिन-दहाड़े अंजाम दी थी झपटमारी की वारदात-

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद/रतिया।

रजत विजय रंगा । फतेहाबाद पुलिस द्वारा आपराधिक तत्वों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना शहर रतिया पुलिस ने एक महिला अध्यापक से बैग छीनने के मामले को सुलझाते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल भी बरामद

कर ली है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दिलराज सिंह उर्फ बग्गा पुत्र बलकार सिंह और विजयपाल उर्फ विजय पुत्र बलदेव सिंह, दोनों निवासी हमजापुर के रूप में हुई है। शहर रतिया थाना प्रभारी निरीक्षक पुष्पा ने जानकारी देते हुए बताया कि शिकायतकर्ता पूजा रानी निवासी गांव कलोठा, जो कि राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अहरवां में अध्यापिका हैं, ने पुलिस को शिकायत दी थी। उन्होंने बताया कि 27 अप्रैल 2026 को दोपहर करीब 1:45 बजे वह नगरपालिका रतिया से जनगणना ड्यूटी से संबंधित दस्तावेज और आईडी कार्ड लेकर घर लौट रही थीं। जैसे ही वह बी.डी.पी.ओ. ब्लॉक के सामने बुढलाडा रोड पर पहुंचीं, एक मोटरसाइकिल पर सवार दो अज्ञात युवकों ने उनका बैग छीन लिया। बैग में नकदी और जरूरी दस्तावेज थे। झपटमारी के दौरान उनका मोबाइल नीचे गिर गया और आरोपी मौके से फरार हो गए। पीड़िता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए थाना शहर रतिया में BNS की धारा 304(1) व 3(5) के तहत मुकदमा नंबर 99/2026 दर्ज किया था। पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और सीसीटीवी कैमरों व तकनीकी साक्ष्यों की मदद से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद कर ली है।आरोपियों से गहनता से पूछताछ की जा रही है ताकि छीनी गई नकदी और अन्य सामान बरामद किया जा सके। आरोपियों को न्यायालय में पेश कर नियमानुसार आगामी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

फतेहाबाद पुलिस की साइबर अपराधियों पर बड़ी कार्यवाही: 'मास्टरजी' बनकर ठगी करने वाला सातवां आरोपी राजस्थान से काबू

फेक मैसेज और 'वॉइस क्लोनिंग' के झांसे में आकर किसान ने गंवाए थे पैसे

ठगी की शत-प्रतिशत राशि (45,000 रुपये) बरामद;

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । फतेहाबाद पुलिस द्वारा साइबर अपराधों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना सदर टोहाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने करीब एक साल पहले हुए साइबर फ्रॉड के मामले में सातवें आरोपी को राजस्थान से गिरफ्तार कर ठगी गई पूरी राशि रिकवर कर ली है। आरोपी की पहचान ओमप्रकाश खटीक पुत्र बंसीलाल, निवासी गांव रूपाहेली, जिला भीलवाड़ा (राजस्थान के रूप में हुई है ।

थाना सदर टोहाना प्रभारी ने जानकारी देते हुए बताया कि शिकायतकर्ता बलजीत सिंह निवासी गांव जापतेवाला ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि 26 अप्रैल 2025 को उनके पास एक अनजान नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को 'मास्टरजी' बताकर विश्वास में लिया और कहा कि वह उनके खाते में पैसे डाल रहा है। इसके बाद पीड़ित को मोबाइल पर पैसे आने के फर्जी टेक्स्ट मैसेज (Fake SMS) भेजे गए और गलती से ज्यादा पैसे डलने का बहाना बनाकर पीड़ित से 45,000 रुपये वापस ट्रांसफर करवा लिए गए। जब पीड़ित ने अपना बैंक खाता चेक किया, तो उसे ठगी का एहसास हुआ। पीड़ित की शिकायत के आधार पर थाना सदर टोहाना में BNS की धारा 318(4) के तहत मुकदमा नंबर 93/2026 दर्ज कर त्वरित कार्यवाही करते हुए मामले में पहले ही छह आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी थी और 11,000 रुपये की राशि बरामद की गई थी। अब इस मामले में सातवें आरोपी ओमप्रकाश खटीक पुत्र बंसीलाल, निवासी गांव रूपाहेली, जिला भीलवाड़ा (राजस्थान) को गिरफ्तार किया है।आरोपी से 34,000 रुपये बरामद किए हैं। इसके साथ ही इस केस में ठगी गई कुल 45,000 रुपये की राशि अब शत-प्रतिशत रिकवर हो चुकी है। मामले में आरोपी को शामिल अनुसंधान करके जमानत पर रिहा कर दिया गया है।

नीमराना में कबाड़ गोदाम सील होने से सैकड़ों मजदूरों पर रोजी-रोटी का संकट

बच्चे भूखे सोने को मजबूर', मजदूरों ने प्रशासन से लगाई काम शुरू कराने की गुहार

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना क्षेत्र में स्थित कबाड़ के गोदाम पर प्रशासन द्वारा सीलिंग की कार्रवाई किए जाने के बाद वहां काम करने वाले सैकड़ों मजदूरों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। रोजाना मजदूरी कर अपना और अपने परिवार का पेट भरने वाले इन परिवारों के घरों में अब चूल्हा जलना भी मुश्किल हो गया है। काम बंद होने से इनकी आय का एकमात्र जरिया छिन गया है, जिससे मजदूर और उनके परिजन भुखमरी की कगार पर पहुंच गए हैं। प्रभावित मजदूरों ने अपनी व्यथा सुनाते हुए कहा कि गोदाम सील होने के बाद से उनके घर की हालत बेहद खराब हो चुकी है। एक मजदूर ने भावुक होते हुए बताया, 'हम दिहाड़ी मजदूर हैं। जिस दिन काम नहीं मिलता, उस दिन घर में खाना नहीं बनता। अब तो हालात ऐसे हैं कि बच्चे भूखे सोने को मजबूर हैं। हमारे पास कोई दूसरा सहारा भी नहीं बचा है।' मजदूरों का कहना है कि उनके पास न तो खेती की जमीन है और न ही कोई दूसरा हुनर, जिससे वे अपना जीवनयापन कर सकें। अचानक रोजगार छिन जाने से उनके सामने बच्चों की पढ़ाई, इलाज और घर का खर्च चलाना बड़ी चुनौती बन गया है। मजदूरों ने सामूहिक रूप से प्रशासन से गुहार लगाई है कि मानवीय आधार पर उनकी समस्या का जल्द से जल्द समाधान किया जाए। उनका कहना है कि यदि गोदाम में कोई अनियमितता है तो उसकी जांच कर उचित कार्रवाई की जाए, लेकिन सैकड़ों परिवारों

की रोजी-रोटी को ध्यान में रखते हुए कोई बीच का रास्ता निकाला जाए ताकि उनका काम फिर से शुरू हो सके। मजदूरों ने अपील की है कि जब तक कोई अंतिम निर्णय नहीं होता, तब तक उनके लिए वैकल्पिक रोजगार या राहत की व्यवस्था की जाए। अब सभी की निगाहें प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि प्रशासन गोदाम सीलिंग के मामले में क्या रुख अपनाता है और बेरोजगार हुए इन सैकड़ों मजदूरों को राहत देने के लिए क्या कदम उठाता है, या फिर ये मजदूर यूं ही परेशान रहने को मजबूर होंगे।

मंडावा में भाजपा की ऐतिहासिक जीत का जोरदार जश्न, कार्यकर्ताओं में दिखा जबरदस्त उत्साह

सिंहासन हवेली और सुभाष चौक पर गूंजे भारत माता और वंदेमातरम के जयकारे

मिठाइयां बांटकर, पटाखे फोड़कर और डीजे पर झूमकर मनाई गई जीत की खुशी

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । पश्चिम बंगाल सहित तीन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत के बाद कार्यकर्ताओं में जश्न का माहौल देखने को मिला। भाजपा कार्यालय, सिंहासन हवेली और सुभाष चौक पर कार्यकर्ताओं ने एकत्रित होकर भारत माता के जयकारों और वंदेमातरम के नारों के साथ जीत का जमकर जश्न मनाया। मंडल अध्यक्ष मोहन लाल सैनी और प्रवक्ता संदीप शर्मा , विद्याधर सैनी सीताराम सैनी, प्रवक्ता संदीप शर्मा संजय मील, कैलाश पीपलवा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने मिठाइयां बांटी, पटाखे फोड़े और डीजे की धुन पर जमकर नृत्य किया। इस दौरान नेताओं ने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास और सुशासन की नीतियों पर जनता के विश्वास की जीत बताया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और मातृशक्ति की मौजूदगी रही, जहां पूरे माहौल में उत्साह, जोश और विजय का उल्लास साफ तौर पर देखा गया। इस अवसर पर विद्याधर सैनी , सीताराम सैनी, भाजपा प्रवक्ता पूर्व जिलामंत्री संदीप शर्मा,संजय मील ,भाजपा मंडल अध्यक्ष मोहन सैनी ,पूर्व पालिकाध्यक्ष राधेश्याम सैनी, संजय घुघरवाल , संदीप परिहार, सुनील सैनी, पूर्व पार्षद इब्राहिम रंगरेज , संजय परिहार,पूर्व पार्षद कैलाश पीपलवा,अयूब खत्री, ज्ञानचंद कुमावत, सुरेन्द्र पीपलवा, प्यारेलाल फरडोलिया, शिवचरण गाड़ोदिया, सत्यनारायण शर्मा, आलोक शर्मा,विमल, विशाल सैनी,अमित सैनी ,संदीप शर्मा, गोविंद जोशी, संजय शर्मा, अमित मीणा बाजीसर, सचिन तूनवाल, महिपाल, राजेंद्र पंवार, राजेंद्र ठेकेदार , दीपक खांडल , संजय जोशी सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद थे

ह्यनिजामपुर में कृमि मुक्त कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को दी गई एल्बेंडाजोल टेबलेट

भीम प्रज्ञा न्यूज.निजामपुर।

विद्या भारती पब्लिक स्कूल, निजामपुर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाए जा रहे कृमि मुक्त अभियान के तहत बुधवार को विद्यार्थियों को एल्बेंडाजोल टेबलेट का वितरण किया गया। इस दौरान कक्षा 3 से 12वीं तक के सभी विद्यार्थियों को निःशुल्क दवा दी गई। विद्यालय के प्राचार्य अजीत सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को पेट के कीड़ों से होने वाले संक्रमण से बचाना और उनके शारीरिक विकास को बेहतर बनाना है। उन्होंने कहा कि समय-समय पर इस प्रकार के स्वास्थ्य कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी होते हैं। कार्यक्रम में विद्यालय के चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव ने विद्यार्थियों को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने और स्वच्छता अपनाने के लिए प्रेरित किया। वहीं वाइस चेयरपर्सन डॉ. उषा यादव ने सरकार की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि स्वस्थ विद्यार्थी ही देश का उज्ज्वल भविष्य तैयार करते हैं। इस अवसर पर प्रबंध निदेशक एडवोकेट पीयूष यादव, शैक्षणिक निदेशक डॉ. रविन्द्रा यादव, उप प्राचार्य प्रवीण कुमार शर्मा तथा कोऑर्डिनेटर रितु शर्मा सहित समस्त विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा। कार्यक्रम का सफल आयोजन स्वास्थ्य विभाग एवं विद्यालय प्रशासन के संयुक्त प्रयास से संपन्न हुआ।

हर घर गीता हर घर तुलसी कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

डॉ विवेक भारती को टीम के संस्थापक आशिष कौशिक तथा सह संस्थापक विनय वर्मा ने श्री भगवत गीता व तुलसी का पौधा भेंट की-

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । टयूथ एक्सिलेंस टीम द्वारा चलाए जा रहे गीता 700 दिन चैलेंज के 400 दिन पूर्ण होने के उपलक्ष्य में एक विशेष तुलसी रोपण अभियान की शुरुआत की गई। इस अभियान के अंतर्गत टीम के संस्थापक एवं युवा प्रेरक आशीष कौशिक तथा सह-संस्थापक विनय वर्मा ने जिला सचिवालय में उपायुक्त डॉ. विवेक भारती (आईएएस) को तुलसी का पौधा एवं श्रीमद्भगवद्गीता भेंट कर अभियान का संदेश दिया। इस अवसर पर आशीष कौशिक ने उपायुक्त महोदय को गीता 700 दिन चैलेंज के उद्देश्य और इसके सामाजिक प्रभावों के बारे में विस्तार से बताया तथा अभियान का थीम गीत भी प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि यह पहल युवाओं को नशे जैसी बुराइयों से दूर रखकर उनकी ऊर्जा को पौधारोपण, गीता पाठ, दिव्यांग बच्चों की सहायता और बुजुर्गों के सम्मान जैसे सकारात्मक कार्यों में लगाने के लिए प्रेरित करती है। उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने इस पहल को युवाओं के लिए प्रेरणादायक और समाजोपयोगी अभियान बताते हुए इसकी भूरी-भूरी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रयास न केवल पर्यावरण संरक्षण में सहायक हैं, बल्कि युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर सह-संस्थापक विनय वर्मा ने उपायुक्त महोदय को यूथ एक्सिलेंस टीम द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न सामाजिक कार्यों—जैसे गीता पाठ, पौधारोपण अभियान, दिव्यांग बच्चों की सहायता एवं बुजुर्गों के सम्मान—के बारे में विस्तार से अवगत कराया। इसलिए प्रत्येक घर में तुलसी का पौधा लगाना स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लाभदायक है। इस अभियान में यूथ एक्सिलेंस टीम के सभी सदस्य सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

लॉजिस्टिक पार्क में आग से तीन गोदाम खाक, करोड़ों के नुकसान की आशंका

-आग बुझाने में 25 दमकल गाड़ियां और 100 से ज्यादा टैंकर पानी लगा

जबलपुर (एजेंसी)। कटंगी बायपास स्थित लॉजिस्टिक पार्क में देर रात लगी भीषण आग से इलाके में हड़कंप मचा गया। आग की लपटें करीब तीन किलोमीटर दूर से दिखाई दे रही थीं। गोदामों में रखे खाद्य तेल, चावल, दाल और अन्य एफएमसीजी सामान ने आग को और भड़का दिया, जिससे देखते ही देखते तीन बड़े वेयरहाउस इसकी चपेट में आ गए। इस घटना में करोड़ों रुपए के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। आग की सूचना मिलते ही प्रशासन और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं, लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था। आग पर काबू पाने के लिए चार थानों की पुलिस, 25 से ज्यादा दमकल वाहन और 100 से ज्यादा पानी के टैंकर लगाए गए। घंटों की मशक्कत के बाद आग को नियंत्रित किया जा सका। इस घटना ने न केवल औद्योगिक सुरक्षा पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि लॉजिस्टिक हब में सुरक्षा मानकों की समीक्षा की जरूरत भी उजागर कर दी है। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच जारी है। जानकारी के मुताबिक रात करीब 10:30 बजे आग लगने की सूचना मिली। शुरुआती तौर पर शॉर्ट सर्किट को कारण माना जा रहा है, हालांकि आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही होगी। एक छोटी चिंगारी ने पूरे गोदाम को चपेट में ले लिया। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। पूरे क्षेत्र को घेर लिया, ताकि कोई जनहानि न हो। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। गोदाम में बड़ी मात्रा में खाद्य तेल, चावल, दाल और अन्य किराना सामान रखा था। तेल की मौजूदगी के कारण आग तेजी से फैली और आसपास के तीन गोदाम भी इसकी चपेट में आ गए। पार्सल के लिए रखा सामान भी पूरी तरह जल गया। इस लॉजिस्टिक पार्क में कई कंपनियों का सामान रखा था। आग में इन कंपनियों के पार्सल और स्टॉक को भारी नुकसान पहुंचा है। हालांकि सटीक नुकसान का आंकलन अभी नहीं लगाया जा सका है। नगर निगम के साथ रक्षा संस्थानों की टीम भी मौके पर पहुंची। करीब 4 से 5 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

केएमपी एक्सप्रेस-वे पर भीषण हादसा, यूपी पुलिस के 5 जवानों की मौत

-ओवरटेक के दौरान स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर टकराई

नूंह (एजेंसी)। हरियाणा के कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेस-वे (केएमपी एक्सप्रेस-वे) पर मंगलवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में उत्तर प्रदेश पुलिस के पांच जवानों की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा धुलावट टोल प्लाजा के पास करीब सुबह 10 बजे हुआ, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक स्कॉर्पियो कार पलवल की ओर जा रही थी। इसी दौरान चालक ने ओवरटेक करने का प्रयास किया, लेकिन वाहन अनियंत्रित हो गया और सामने चल रही दूसरी गाड़ी से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कॉर्पियो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार सभी पांचों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और राहत-बचाव दल तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गए। दुर्घटनाग्रस्त वाहन में शव बुरी तरह फंस गए थे, जिन्हें बाहर निकालने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। एंबुलेंस की मदद से शवों को बाहर निकालकर आगे की कार्रवाई शुरू की गई। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, मृतक सभी उत्तर प्रदेश पुलिस के जवान थे, जो जालौन जिले में तैनात थे। तावडू सदर थाना प्रभारी शीशराम ने बताया कि मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है और इस संबंध में जालौन के पुलिस अधीक्षक से संपर्क किया गया है। हादसे के बाद कुछ समय के लिए एक्सप्रेस-वे पर यातायात भी प्रभावित रहा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और रास्ता साफ कराया।

फ्लाइट में पावर बैंक ब्लास्ट, 5 यात्री घायल, हैदराबाद से चंडीगढ़ आ रहा था विमान

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हैदराबाद से चंडीगढ़ आ रही इंडिगो की एक फ्लाइट में भीषण विस्फोट हुआ है। जानकारी के अनुसार, विस्फोट का कारण एक पावर बैंक था। पावर बैंक को बैग में रखा गया था। पावर बैंक के फटने से फ्लाइट में धुआं भर गया। कुछ देर बाद आग भी लग गई, जिसे एयर होस्टेस ने बड़ी मुश्किल से बुझाया। यह हादसा तब हुआ जब फ्लाइट चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर लैंडिंग कर रही थी। जानकारी के अनुसार, इंडिगो की एक फ्लाइट हैदराबाद से चंडीगढ़ आ रही थी। फ्लाइट 6ई 108 में एक यात्री का पावर बैंक फट गया। मोहाली में मौजूद शहीद भगत सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उस समय अफरातफरी मच गई। जब फ्लाइट में एक यात्री का पावर बैंक फटने से ब्लास्ट हो गया। घटना उस समय हुई, जब फ्लाइट एयरपोर्ट पर खड़ी थी। इंडिगो की ओर से जारी बयान में कहा गया कि सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तुरंत विमान खाली कराया गया। इसके बाद संबंधित अधिकारियों को तुरंत घटना के बारे में सूचना दी गई। सभी यात्रियों को सुरक्षित टर्मिनल तक पहुंचाया गया, जहां एयरलाइन की टीम यात्रियों की मदद में जुटी रही। एयरलाइन के एक अधिकारी ने कहा कि विमान को दोबारा संचालन में लाने से पहले जरूरी तकनीकी जांच की जाएगी। इंडिगो ने कहा कि यात्रियों और क्रू की सुरक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बीएससी छात्रा ने घर में दुपट्टे का फंदा लगाकर दी जान, पुलिस जांच में जुटी

नैनीताल (एजेंसी)। स्टाफ हाउस 7 नंबर क्षेत्र में फांसी पर झूलती बीएससी की छात्रा की मौत से सनसनी फैल गई। छात्रा छत पर लगी बल्ली से दुपट्टे के सहारे लटकी हुई मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतार फॉरेंसिक टीम को बुलाया। फिलहाल छात्रा ने आत्मघाती कदम क्यों उठाया पुलिस जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक स्टाफ हाउस 7 नंबर निवासी 20 साल सिमरन आर्य डीसीबी परिसर में बीएससी तृतीय वर्ष की छात्रा थी। यहां वह अपनी दादी के साथ रहती थी। सोमवार रात खाना खाने के बाद दादी और सिमरन सोने चली गई। जानकारी के मुताबिक सुबह दादी उठकर आई तो सिमरन बल्ली से दुपट्टे के सहारे लटकी हुई मिली। यह देख दादी की चीख पड़ी। चीखने की आवाज सुन पड़ोसी पहुंचे। लोगों की सूचना के बाद पुलिस टीम पहुंची और शव को नीचे उतारा। कोतवाल ने बताया कि छात्रा ने आत्मघाती कदम क्यों उठाया इसको लेकर कुछ स्पष्ट नहीं हुआ है।

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने सेवा कार्यों के साथ मनाया केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल का जन्मदिन

शिव नंदी शाला में गौसेवा और अपूर्वा आश्रय में दिव्यांग बच्चों के साथ साझा की खुशियां

सादगी, सेवा और समर्पण की मिसाल है केंद्रीय मंत्री का जीवनः सुभाष बराला

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल के जन्मदिवस के अवसर पर अपूर्वा आश्रय एवं शिव नंदिशाला में आयोजित विशेष सेवा कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने गौसेवा और दिव्यांगजनों के बीच समय व्यतीत कर इस विशेष दिन को सेवा और मानवीय मूल्यों के उत्सव के रूप में मनाया।शिव नंदिशाला में आयोजित कार्यक्रम के दौरान राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने गौसेवा करते हुए गो-ग्रास अर्पित किया तथा केक काटकर केंद्रीय मंत्री के जन्मदिवस की खुशियाँ साझा कीं। उन्होंने कहा कि गौसेवा भारतीय संस्कृति का मूल आधार है और ऐसे पावन अवसरों पर गौमाता सेवा करना मन को असीम सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है। वहीं अपूर्वा आश्रय में दिव्यांगजनों के साथ स्नेहपूर्वक समय बिताते हुए केक काटा गया। दिव्यांगजनों के साथ बैठकर उनकी कुशलक्षेम जानी, उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि आदरणीय केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर का जीवन सादगी, सेवा और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण है। उनका व्यक्तित्व समाज के प्रत्येक वर्ग को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने उनके जनसेवा के प्रति निरंतर समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा को प्रेरणादायक बताया।राज्यसभा सांसद ने कहा आदरणीय केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने ईमानदारी और पारदर्शिता के नए मानक स्थापित किए हैं। मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान 'बिना पर्ची-बिना खर्ची' की नीति से युवाओं को मेरिट के आधार पर अधिकार मिला और 'हरियाणा एक-हरियाणवी एक' के ध्येय से पूरे प्रदेश का समान विकास सुनिश्चित हुआ। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि केंद्रीय मंत्री को उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं निरंतर जनकल्याण के कार्यों को आगे बढ़ाने की शक्ति प्राप्त होती रहे। इस दौरान नगरपरिषद चेयरमैन नरेश बंसल, मंडल अध्यक्ष रमन मड़िया, डॉ. शिव सचदेवा, रविंद्र मेहता, नितिन मेहता सहित अनेक गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

फतेहाबाद की सीजेएम सुयशा जावा ने नशा मुक्ति केंद्र का किया निरीक्षण

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । हरियाणा राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण तथा जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के अध्यक्ष दीपक अग्रवाल के निर्देशानुसार मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव सुयशा जावा ने मंगलवार को नागरिक अस्पताल में नशा मुक्ति केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नशा पीड़ितों को नशे के दुष्प्रभाव, शारीरिक, मानसिक तथा सामाजिक दुष्प्रभाव बारे विस्तार से बताया। इस मौके पर नशा मुक्ति केंद्र में 16 उपचाराधीन नशा पीड़ित उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान सीजेएम ने केंद्र में रह रहे व्यक्तियों को दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी ली और जरूरी दिशा निर्देश भी दिए और उनके रहन-सहन और खान-पान बारे विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने स्टाफ को निर्देश दिए कि नशा पीड़ित व्यक्तियों की देखरेख में कोई कमी नहीं आनी चाहिए। उनके स्वास्थ्य से संबंधित कोई भी लापरवाही न की जाए। उन्होंने स्वस्थ जीवन शैली अपनाने और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए भी प्रेरित किया।

सीजेएम ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवाएं प्राधिकरण द्वारा सहायता हेल्पलाइन नंबर 15100 जारी किया गया है। इस हेल्पलाइन नंबर पर किसी भी प्रकार की कानूनी सहायता घर बैठे प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने आगे बताया कि इस माह में दो लोक अदालतें लगाई जाएगी जोकि 9 मई को न्यायिक परिसर फतेहाबाद, उपमंडल टोहाना व रतिया में राष्ट्रीय लोक अदालत लगाई जाएगी जिसमें सभी प्रकार के केसों की सुनवाई की जाएगी। 30 मई 2026 को स्पेशल चेक बाउंस केसों की विशेष लोक अदालत लगाई जाएगी। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे इन लोक अदालतों के माध्यम से अपने केसों का निपटारा करवा सकते हैं।

प्रदेश के सभी कच्चे सफाई कर्मचारियों की मांगों को जल्द पूरा करे हरियाणा सरकार- पूर्व विधायक सरदार निशान सिंह

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । पूर्व विधायक हल्का टोहाना व वरिष्ठ कांग्रेस नेता सरदार निशान सिंह ने हरियाणा सरकार से प्रदेश के कच्चे सफाई कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित मांगों को जल्द से जल्द पूरा करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हजारों कच्चे सफाई कर्मचारी वर्षों से नगर परिषद, नगर पालिका व अन्य सरकारी विभागों में सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन आज भी उन्हें स्थायी कर्मचारियों जैसी सुविधाएं और सुरक्षा नहीं मिल रही है। सरदार निशान सिंह ने बताया कि कच्चे सफाई कर्मचारियों द्वारा अपनी 17 सूत्रीय मांगों को लेकर हरियाणा सरकार को मांग पत्र सौंपा गया था। उस समय कर्मचारियों को यह भरोसा दिया गया था कि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा और जल्द समाधान निकाला जाएगा, लेकिन अभी तक उनकी मांगों को पूरा नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि कच्चे सफाई कर्मचारी लंबे समय से अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं और अपनी मांगों को लेकर 1 मई से हड़ताल पर बैठे हुए हैं। इसके बावजूद सरकार की ओर से अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है, जिससे कर्मचारियों में भारी निराशा और रोष देखने को मिल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि 31 दिसंबर 2025 को माननीय हाई कोर्ट ने भी कच्चे सफाई कर्मचारियों के पक्ष में फैसला दिया था। अदालत के इस फैसले के बाद उम्मीद थी कि सरकार इसे जल्द लागू करेगी, लेकिन आज तक उस फैसले को लागू नहीं किया गया है। यह कर्मचारियों के साथ अन्याय है। सरदार निशान सिंह ने कहा कि सरकार को चाहिए कि कर्मचारियों की समस्याओं को समझते हुए उनकी मांगों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करे और हाई कोर्ट के फैसले को तुरंत लागू करे, ताकि कच्चे सफाई कर्मचारियों को न्याय मिल सके। उन्होंने अंत में कहा कि अग्निशमन विभाग के कच्चे कर्मचारी भी काफी समय से अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर बैठे हुए हैं। सरकार को उनकी समस्याओं की ओर भी ध्यान देना चाहिए और उनसे बातचीत कर जल्द समाधान निकालना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर सरकार जल्द ही कर्मचारियों की मांगों को पूरा नहीं करती तो कांग्रेस पार्टी कर्मचारियों के साथ मिलकर उनके अधिकारों की लड़ाई को और मजबूती से उठाएगी।

नशा तस्करों पर फतेहाबाद पुलिस का बड़ा प्रहारः अप्रैल में 202 अपराधी गिरफ्तार, करोड़ों की संपत्ति कुर्क

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

जिले को नशा मुक्त बनाने के संकल्प के साथ फतेहाबाद पुलिस द्वारा अप्रैल माह में चलाया गया विशेष अभियान बेहद प्रभावी साबित हुआ। इस अभियान के तहत पुलिस ने कुल 202 अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा, जिनमें बड़ी संख्या नशा तस्करों की रही। पुलिस की इस सख्त कार्रवाई से नशा तस्करी के नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है। अभियान के दौरान एनडीपीएस एक्ट के 66 मामलों में 93 तस्करों को गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई केवल गिरफ्तारी तक सीमित नहीं रही, बल्कि पुलिस ने तस्करों की आर्थिक कमर तोड़ने पर भी जोर दिया। इसी क्रम में 6 तस्करों की करोड़ों रुपये की अवैध संपत्ति को कुर्क किया गया, जिससे उनके पूरे नेटवर्क पर गहरा असर पड़ा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह कदम नशा सप्लाई चेन को तोड़ने की दिशा में एक बड़ी सफलता माना जा रहा है। इस पूरे अभियान का नेतृत्व कर रही पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर (आईपीएस) ने स्पष्ट कहा कि नशा समाज को अंदर से खोखला करता है और इसे जड़ से खत्म करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि फतेहाबाद पुलिस जीरो टॉलरेंस नीति के तहत लगातार कार्रवाई कर रही है और आने वाले समय में इस अभियान को और तेज किया जाएगा। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि यदि कहीं भी नशा बिक्री या संदिग्ध गतिविधि नजर आए तो तुरंत पुलिस को सूचना दें। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी, ताकि लोग बिना डर के आगे आ सकें।

फतेहाबाद पुलिस केवल कार्रवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक जागरूकता पर भी विशेष ध्यान दे रही है। जिले के स्कूलों, कॉलेजों और ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार अभियान चलाकर युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया जा रहा है, जिससे समाज को इस बुराई से दूर रखा जा सके। पुलिस की इस संयुक्त कार्रवाई से यह स्पष्ट हो गया है कि प्रशासन नशा तस्करी के खिलाफ पूरी तरह गंभीर है। गिरफ्तारी, संपत्ति कुर्की और जन-जागरूकता के माध्यम से की जा रही यह पहल जिले में एक सुरक्षित, स्वस्थ और नशा मुक्त समाज की दिशा में मजबूत कदम साबित हो रही है।

भाजपा की तीन राज्यों में रिकॉर्ड जीत पर टोहाना भाजपाई अधिवक्ताओं ने बांटी मिठाई

अधिवक्ता परिषद के वरिष्ठ अधिवक्ता सतपाल सिंगला के चैम्बर में मनाया जश्न

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । पश्चिम बंगाल सहित असंभव पुडुचेरी में भारतीय जनता पार्टी की रिकॉर्ड जीत पर टोहाना अधिवक्ता परिषद के सभी पदाधिकारियों व अधिवक्ताओं ने बार एसोसिएशन टोहाना के अधिवक्ताओं में सभी चैम्बरों में जाकर मिठाई बांटकर खुशी जताई। वरिष्ठ अधिवक्ता नन्द लाल गर्ग व कृष्ण गोयल धारसुलिया ने अधिवक्ता परिषद के वरिष्ठ अधिवक्ता सतपाल सिंगला व वरिष्ठ एडवोकेट सुभाष चंद्र गर्ग नगर पार्षद, वरिष्ठ एडवोकेट कुलवंत जांगड़ा, टोहाना बार एसोसिएशन के पूर्व उपाध्यक्ष एडवोकेट जगजीत गर्ग, एडवोकेट सोहन पंवार, टोहाना बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान एडवोकेट सुरेश चावला ने बार एसोसिएशन टोहाना के लगभग सभी अधिवक्ताओं को भारतीय जनता पार्टी की जीत पर बधाई दी। विदित रहे वरिष्ठ एडवोकेट सतपाल सिंगला भारतीय अधिवक्ता परिषद के हरियाणा केडर के वरिष्ठ नेता हैं। सतपाल सिंगला ने कहा कि भाजपा की यह जीत सभी भाई बहनों की जीत है सभी से भाईचारा व सोहार्द बनाये रखने की सभी अधिवक्ताओं से अपील भी की। विदित रहे इससे पूर्व एडवोकेट प्रवीण सुनेहा, एडवोकेट सोहन सुनेहा, एडवोकेट रमेश शर्मा ने भी भाजपा की जीत पर खुशी जताई तथा मिठाइयों से सभी का मुंह मीठा करवाया।

राष्ट्रपति से मिले भगवंत मान, बोले— संविधान का मजाक बना

आप छोड़ बीजेपी में शामिल सांसदों पर विवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब की राजनीति में उथल-पुथल के बीच मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर आम आदमी पार्टी (आम आदमी पार्टी) के छह राज्यसभा सांसदों के भारतीय जनता पार्टी (भारतीय जनता पार्टी) में शामिल होने के मुद्दे पर कड़ा विरोध जताया।

मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत में सीएम भगवंत मान ने कहा कि कुछ सांसदों द्वारा पार्टी बदलना लोकतांत्रिक व्यवस्था और संविधान की भावना के खिलाफ है। उन्होंने तर्क दिया कि यदि पूरी पार्टी दो-तिहाई बहुमत से विलय करती है तो यह स्वीकार्य हो सकता है, लेकिन, सिर्फ 6-7 लोगों का ऐसा कदम मनमानी है।

मुख्यमंत्री मान ने आरोप लगाया कि पंजाब में भाजपा के केवल 2 विधायक हैं, लेकिन राज्यसभा में उसके 6 सदस्य हो गए हैं, जो ÷संविधान का मजाक÷ है। उन्होंने इस मुद्दे पर ÷राइट टू रिकॉल÷ जैसे संवैधानिक संशोधन की भी मांग उठाई। उल्लेखनीय है कि भगवंत मान अपने साथ लगभग 90 विधायकों को लेकर दिल्ली पहुंचे थे।

वहीं दूसरी ओर, आप छोड़ भाजपा में शामिल हुए नेताओं, राघव चड्ढा, अशोक मित्तल और संदीप पाठक ने भी राष्ट्रपति से मुलाकात कर अपनी बात रखी। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी छोड़ने के बाद उन्हें पंजाब की सरकारी मशीनरी के जरिए निशाना बनाया जा रहा है। राघव चड्ढा ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आप बदले की राजनीति कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यह ÷खतरनाक खेल÷ है और इसके परिणाम भी गंभीर हो सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा, ÷आप के पास एक राज्य की पुलिस है, जबकि हमारे पास 21 राज्यों की पुलिस है,÷ जिसे लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है।

इस पर पलटवार करते हुए भगवंत मान ने सवाल उठाया कि क्या यह बयान विपक्ष को डराने के लिए दिया गया है। उन्होंने कहा कि ÷कानून अपना काम करेगा÷ और किसी के खिलाफ कार्रवाई केवल कानूनी प्रक्रिया के तहत ही होगी। इस पूरे घटनाक्रम ने पंजाब सहित राष्ट्रीय राजनीति में दल-बदल, संवैधानिक प्रावधानों और राजनीतिक नैतिकता पर नई बहस छेड़ दी है।

राजा भैया का तंज बोले- मिट गये सनातन को मिटाने का सपना देखने वाले?

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के इन परिणामों का असर उत्तर प्रदेश की राजनीति में भी साफ देखा जा रहा है। यूपी के प्रतापगढ़ की कुंडा सीट से विधायक और जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक) के प्रमुख रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने इन नतीजों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। राजा भैया ने डीएमके प्रमुख एम.के. स्टालिन और उनके बेटे उदयनिधि स्टालिन की हार को सीधे तौर पर सनातन धर्म के अपमान से जोड़ते हुए इसे जनता का करारा जवाब बताया है।

राजा भैया ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा, मिट गये सनातन को मिटाने का सपना देखने वाले। अपनी बात को वजन देने के लिए उन्होंने अपना 3 सितंबर 2023 का वह पुराना ट्वीट भी रिट्वीट किया, जिसमें उन्होंने उदयनिधि स्टालिन के उस विवादित बयान का कड़ा विरोध किया था, जिसमें सनातन धर्म की तुलना घातक बीमारियों से की गई थी। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों ने देश की राजनीतिक दिशा में नई हलचल पैदा कर दी है। इन नतीजों के बाद राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप और प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया है। जहां बंगाल, असम और पुडुचेरी में भाजपा ने भारी बहुमत के साथ अपनी सत्ता सुरक्षित की है, वहीं दक्षिण भारत के चुनावी नतीजों ने सबसे ज्यादा चौंकाया है। केरल में कांग्रेस ने अपनी पकड़ मजबूत की है, तो तमिलनाडु में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। तमिलनाडु में विजय थलापति की पार्टी टीवीके ने एम.के. स्टालिन की डीएमके को शिकस्त देकर कांग्रेस के साथ गठबंधन की सरकार बनाने की ओर कदम बढ़ा दिए हैं। विदित हो कि साल 2023 में एक सम्मेलन के दौरान उदयनिधि स्टालिन ने कहा था कि सनातन धर्म मलेरिया और डेंगू जैसी बीमारियों की तरह है, जिसे केवल विरोध नहीं करना चाहिए बल्कि जड़ से मिटा देना चाहिए। उस समय भी राजा भैया ने इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा था कि यह बयान हिंदुओं के प्रति घृणा को दर्शाता है। अब चुनावी नतीजों के बाद राजा भैया का यह हमला संकेत देता है कि उदयनिधि के बयानों ने हिंदू मतदाताओं के बीच जो नाराजगी पैदा की थी, उसका खामियाजा डीएमके को भुगतना पड़ा है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि राजा भैया इस मुद्दे के जरिए यूपी में भी अपने हिंदुत्ववादी आधार को और अधिक मजबूती देना चाहते हैं।

भीषण गर्मी का मुख्य कारण वायुमंडलीय घटना हीट डोमः मौसम विशेषज्ञ

नई दिल्ली(एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के कई हिस्सों उत्तर, मध्य और दक्षिण भारत में अप्रैल माह में भीषण गर्मी का प्रकोप देखा जा रहा है। इस चरम गर्मी का मुख्य कारण वायुमंडलीय घटना हीट डोम है। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि यह एक ऐसी मौसमी स्थिति है जिसमें गर्म हवा एक बड़े क्षेत्र में फंसकर तीव्र और लंबे समय तक चलने वाली गर्मी पैदा करती है, मानो वातावरण एक बंद भट्टी में बदल गया हो। तापमान लगातार 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बना हुआ है और कुछ इलाकों में यह 46-47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जिससे हीट इंडेक्स 50 डिग्री सेल्सियस जैसा महसूस हो रहा है। दिल्ली, कानपुर, बांदा, लखनऊ, भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, अकोला, अमरावती, वर्धा, तेलंगाना और राजस्थान जैसे राज्य इसके सीधे प्रभाव में हैं। हीट डोम का निर्माण तब होता है जब ऊपरी वायुमंडल में उच्च दबाव का एक बड़ा क्षेत्र बनता है। यह उच्च दबाव वाली प्रणाली हवा को नीचे की ओर धकेलती है। जब हवा नीचे उतरती है, तो वह संपीड़ित होकर और अधिक गर्म हो जाती है। यह नीचे उतरती और गर्म होती हवा, सतह पर मौजूद गर्म हवा को एक विशाल अदृश्य गुंबद की तरह फंसा लेती है। इस गुंबद के कारण गर्म हवा ऊपर उठकर ठंडी नहीं हो पाती और न ही फैल पाती है। नतीजतन, गर्मी एक ही जगह पर जमा होती रहती है और तापमान लगातार बढ़ता जाता है, जिससे रात में भी कोई खास राहत नहीं मिलती। सामान्य मौसम में गर्म हवा सूर्य की किरणों से गर्म होकर ऊपर उठती है, बादल बनते हैं और वर्षा या ठंडी हवा का संचार होता है, लेकिन हीट डोम में उच्च दबाव वाली प्रणाली हवा को नीचे दबाए रखती है।

हीट डोम, हीट वेव से अलग है। जहां हीट वेव कुछ दिनों की तीव्र गर्मी की स्थिति होती है, वहीं हीट डोम बड़े भौगोलिक क्षेत्र पर हफ्तों या उससे अधिक समय तक गर्मी को फंसाए रखता है। इसमें जेट स्ट्रीम, जो ऊपरी वायुमंडल में पश्चिम से पूर्व की ओर बहने वाली तेज हवाओं की पट्टी होती है, महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जब जेट स्ट्रीम लहरदार और धीमी हो जाती है या रुक जाती है, तो यह अपने पीछे उच्च दबाव का क्षेत्र छोड़ जाती है, जो गर्म हवा के फंसने का कारण बनता है। यह प्रक्रिया समुद्र के ऊपर गर्म हवा के बनने और ठंडी हवाओं के नीचे जाने से और तेज हो जाती है। जब उच्च दबाव का क्षेत्र कमजोर होकर या हटकर हवाओं को बाहर निकलने देता है, तभी यह हीट डोम टूटता है और गर्मी से राहत मिलती है। हालांकि यह एक हफ्ते या उससे ज्यादा बना रह सकता है।

हालांकि हीट डोम सीधे तौर पर औद्योगिक गतिविधियों या एयरकंडीशनर से निकलने वाली गर्म हवा से नहीं बनता, लेकिन कारखानों, पावर प्लांट और वाहनों से उत्सर्जित होने वाली ग्रीनहाउस गैसें ग्लोबल वार्मिंग को बढ़ाती हैं। यह बढ़ा हुआ तापमान हीट डोम जैसी घटनाओं को और अधिक तीव्र और बार-बार होने वाला बना सकता है। हीट डोम अत्यंत खतरनाक है क्योंकि यह साइलेंट किलर की तरह काम करता है। अत्यधिक और लगातार गर्मी से हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन, हृदय संबंधी समस्याएं और किडनी फेलियर के मामले बढ़ जाते हैं। बुजुर्गों, बच्चों, मजदूरों और बीमार लोगों को इससे सबसे अधिक खतरा होता है। इसके अलावा, फसलें सूख जाती हैं, उपज घटती है और जल संकट गहराता जाता है। भारत में हीट डोम की सालाना सटीक गिनती नहीं की जाती, लेकिन हीट वेव के रूप में इन स्थितियों पर नजर रखी जाती है।

भारत टी-20 रैंकिंग में नंबर-1 पर बरकरार

दुबई | एजेंसी

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में इस साल टी-20 वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय टीम ने आईसीसी की टी-20 टीम रैंकिंग में भी अपना पहला स्थान बरकरार रखा है। मंगलवार को आईसीसी ने सालाना अपडेट जारी किया है। अपडेशन के बाद टी-20 में टीम इंडिया 275 अंकों के साथ पहले पायदान पर काबिज है, जबकि इंग्लैंड (262 अंक) दूसरे और ऑस्ट्रेलिया (258 अंक) तीसरे स्थान पर है। आईसीसी रैंकिंग में तीन साल के डेटा होते हैं। पिछले 12 महीनों में हुए मुकाबलों का वेटेज 100% होता है। उससे पहले के 2 साल के डेटा का वेटेज 50% होता है। मौजूदा रैंकिंग में मई 2023 से अप्रैल 2024 और मई 2024 से अप्रैल 2025 तक हुए मैचों को 50-50% दिया गया है। वहीं, मई 2025 के बाद के मैचों का वेटेज 100% है। यहां से अप्रैल 2026 तक होने वाले मैचों को भी 100% वेटेज मिलेगा। यानी जब अगले साल मई में नया अपडेट होगा तो उसमें से 2023 से 2024 तक हुए मैचों को रैंकिंग गणना से बाहर कर दिया जाएगा। फिर 2024 से 2025 और 2025 से 2026 तक के मैचों का वेटेज 50% हो जाएगा और 1 मई 2026 के बाद हुए मैचों को ही 100% वेटेज मिलेगा। अपडेशन के बाद टी-20 रैंकिंग के टॉप-7 पायदानों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

टीम इंडिया : टी-20 विश्वकप

इंग्लैंड दूसरे स्थान पर, आईसीसी ने सालाना अपडेट जारी किया

श्रीलंका को नुकसान, बांग्लादेश और अमेरिका की लंबी छलांग

श्रीलंका को 6 रेटिंग अंकों का नुकसान हुआ है, जिससे वे फिसलकर 9वें स्थान पर आ गए हैं। इसका फायदा बांग्लादेश को मिला है, जो अब 8वें नंबर पर पहुंच गया है। वहीं, उत्तर अमेरिका में क्रिकेट की उभरती ताकत 'यूएसए' ने 6 अंकों के फायदे के साथ 13वां स्थान हासिल कर लिया है। अमेरिका ने नीदरलैंड और स्कॉटलैंड जैसी अनुभवी टीमों को पीछे छोड़ दिया है।

इटली ने चौंकाया, 4 टीमें रैंकिंग से बाहर हुईं

टी20 वर्ल्ड कप में पहली बार शामिल हुई इटली की टीम ने शानदार प्रदर्शन के दम पर रैंकिंग में तीन पायदान की छलांग लगाई है। नेपाल को 10 विकेट से हराने वाली इतालवी टीम अब 23वें स्थान पर पहुंच गई है।

टीम

रैंकिंग	टीम	रेटिंग
1	भारत	275
2	इंग्लैंड	262
3	आस्ट्रेलिया	258
4	न्यूजीलैंड	247
5	दक्षिण अफ्रीका	244
6	पाकिस्तान	240
7	वेस्ट इंडीज	233
8	बांग्लादेश	225
9	श्रीलंका	221
10	अफगानिस्तान	220

विमेंस कैटेगरी में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा

विमेंस टी-20 रैंकिंग में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपना नंबर-1 स्थान बरकरार रखा है। ताजा रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया 287 पॉइंट्स हैं। इंग्लैंड 275 पॉइंट्स लेकर दूसरे और भारतीय टीम 264 पॉइंट्स के साथ तीसरे नंबर पर काबिज है। रैंकिंग के टॉप-16 पोजीशन में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

स्टार डायजेस्ट

कप्तानी करना आसान नहीं है, पंत पर काफी दबाव है : लैंगर

मुंबई। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने कहा कि 27 करोड़ रुपये की कीमत हमेशा अच्छे प्रदर्शन की गारंटी नहीं देती, लेकिन ऋषभ पंत को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीम की कप्तानी करने से पड़ने वाले दबाव का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने यह बात तब कही जब उनकी टीम प्ले-ऑफ की दौड़ से लगभग बाहर हो चुकी है। मुंबई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल मैच में पंत एलएसजी के उन बल्लेबाजों में शामिल थे जो निकोलस पूरन (63) और मिचेल मार्श (44) से मिली अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा पाए।

भारतीय पुरुष टीम ने शीर्ष तीन में जगह बनाई

शंघाई। पूर्व विश्व चैंपियन ओजस देवताले ने भारतीय पुरुष कंपाउंड टीम का नेतृत्व करते हुए मंगलवार को यहां तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण के क्वालीफाइंग राउंड में व्यक्तिगत वर्ग में शीर्ष 10 में जगह पक्की की। बर्लिन में 2023 विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप जीतकर भारत के पहले पुरुष विश्व चैंपियन बने देवताले ने यहां क्वालीफाइंग में भारतीय खिलाड़ियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उन्होंने 711 अंक हासिल करके कुल मिलाकर सातवां स्थान हासिल किया। इससे भारतीय टीम को भी फायदा हुआ और वह शीर्ष तीन में जगह बनाने में सफल रही। साहिल जाधव ने भी 711 अंक बनाए लेकिन केंद्र पर सर्वाधिक निशाना लगाने के कारण देवताले उनसे आगे रहे।

भारत की अंडर-18 पुरुष और महिला हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला खेलेंगी

भोपाल। भारत की पुरुष और महिला अंडर-18 हॉकी टीम एशिया कप की तैयारियों के सिलसिले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 15 से 20 मई तक यहां चार मैचों की श्रृंखला खेलेंगी। यह श्रृंखला इस महीने के आखिर में जापान के काकामिगाहारा में शुरू होने वाले अंडर-18 एशिया कप की तैयारी को देखते हुए काफी महत्वपूर्ण है। इन दोनों टीम के लिए यहां भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के केंद्र में 19 अप्रैल से अभ्यास शिविर भी लगाया गया था। पुरुष टीम के कोच सरदार सिंह ने कहा, "इस शिविर के दौरान मुख्य ध्यान सभी विभागों में खिलाड़ियों के बुनियादी कौशल और क्षमता को मजबूत करने पर रहा है, ताकि वे आधुनिक हॉकी की जरूरतों के लिए बेहतर रूप से तैयार हो सकें। ऑस्ट्रेलिया की अंडर-18 टीम के खिलाफ मैच हमारी तैयारी के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

सीएसके ने दिल्ली को 8 विकेट से हराया

संजू का नाबाद अर्धशतक, 66 गेंदों में तीसरे विकेट के लिए 114 रन की साझेदारी

नई दिल्ली | एजेंसी

धीमी और गेंदबाजों की मददगार पिच पर संजू सैमसन की 52 गेंदों में 87 रन की नाबाद पारी के बूते चेन्नई सुपरकिंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग मैच में मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स को 15 गेंद शेष रहते आठ विकेट से हराया। दिल्ली कैपिटल्स को सात विकेट पर 155 रन पर रोकने के बाद सुपरकिंग्स ने 17.3 ओवर में दो विकेट पर 159 रन बनाकर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को बनाए रखा। चेन्नई सुपरकिंग्स की यह 10 मैचों में पांचवीं जीत है और टीम तालिका में छठे स्थान पर बनी हुई है। दिल्ली कैपिटल्स इतने ही मैचों में छठी हार के बाद आठ अंकों के साथ सातवें स्थान पर है और प्लेऑफ में पहुंचने की उसकी उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। जिस पिच पर अन्य बल्लेबाज संघर्ष कर रहे थे, सैमसन ने वहां धाराप्रवाह बल्लेबाजी करते हुए सात चौके और छह छक्के लगाने के अलावा तीसरे विकेट के लिए युवा कार्तिक शर्मा (नाबाद 41) के साथ 66 गेंदों में 114 रन की अटूट साझेदारी की। पिछले मैच में नाबाद अर्धशतक जड़ने वाले कार्तिक ने 31 गेंदों की नाबाद पारी में चार चौके और दो छक्के लगा कर समझदारी से बल्लेबाजी की। दिल्ली कैपिटल्स के लिए कप्तान अक्षर पटेल और लुंगी एनगिडी ने एक-एक सफलता हासिल की।

स्टब्स, रिजवी की पारी ने 150 पार पहुंचाया : इससे पहले ट्रिस्टन स्टब्स (38) और समीर रिजवी (नाबाद 40) के बीच छठे विकेट के लिए 47 गेंदों में 65 रन की साझेदारी के दम पर दिल्ली कैपिटल्स ने खराब शुरुआत से उबरते हुए सात विकेट पर 155 रन बनाए। दिल्ली कैपिटल्स ने 69 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे, लेकिन स्टब्स और रिजवी की साझेदारी के बाद आशुतोष शर्मा की पांच गेंदों में दो छक्के जड़ित 14 रन की पारी से धीमी पिच पर प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। रिजवी ने 24 गेंदों की नाबाद पारी में चार छक्के लगाए, जबकि स्टब्स ने 31 गेंदों की पारी में एक चौका और दो छक्के जड़े।

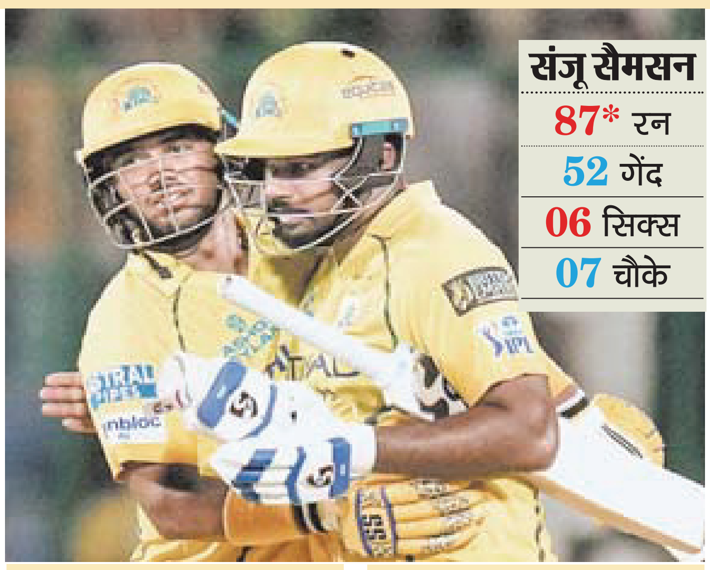

संजू सैमसन

87*	रन
52	गेंद
06	सिक्स
07	चौके

दिल्ली : 155/7 (20) ओवर

चेन्नई : 159/2 (17.3) ओवर

आखिरी 5 ओवर में 58 रन जोड़े

दिल्ली कैपिटल्स ने आखिरी पांच ओवरों में 58 रन जोड़े। इस बीच चेन्नई सुपरकिंग्स के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने शानदार लय में चल रहे जैमी ओवरटन से सिर्फ एक ओवर कराया, जिन्होंने 19वें ओवर में सिर्फ पांच रन खर्च कर स्टब्स को आउट किया। नूर अहमद ने तीन ओवर में 22 रन देकर दो विकेट लिए, जबकि अकील हुसैन ने चार ओवर में 19 रन देकर एक सफलता हासिल की। गुरजपनीत और अंशुल कंबोज को भी एक-एक सफलता मिली, लेकिन कंबोज चार ओवर में 49 रन देकर सबसे महंगे गेंदबाज साबित हुए। लोकेश राहुल (12), पथुम निसंका (19), नीतिश राणा (15) और करुण नायर (13) ने क्रीज पर समय बिताने के बाद आसानी से विकेट गंवा दिए।

चेन्नई ने जल्दी खो दिए थे 2 विकेट

लक्ष्य का पीछा करते हुए सैमसन ने दूसरे ओवर में अक्षर पटेल का स्वागत छक्के से किया, लेकिन स्टार्क के खिलाफ चौका जड़ने के बावजूद कप्तान रुतुराज गायकवाड़ रन बनाने के लिए संघर्ष करते दिखे। वह चौथे ओवर में बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में 13 गेंदों पर छह रन बनाने के बाद एनगिडी की गेंद पर रिजवी को कैच दे बैठे। क्रीज पर आए उर्विल पटेल (17) ने पावरप्ले की आखिरी दो गेंदों पर एनगिडी के खिलाफ छक्के जड़े, जिससे छह ओवर के बाद टीम ने एक विकेट पर 44 रन बनाए। उर्विल की पारी लंबी नहीं चली और अक्षर की गेंद पर राहुल ने शानदार तरीके से उन्हें स्टंप किया। सैमसन ने कुलदीप के खिलाफ डीप मिडविकेट के ऊपर से शानदार छक्का लगाकर आत्मविश्वास हासिल करने के बाद टी. नटराजन के पहले ओवर में दो चौके लगाए। पिछले मैच में नाबाद अर्धशतक जड़ने वाले कार्तिक शर्मा ने कुलदीप के खिलाफ कवर क्षेत्र के ऊपर से कमाल का छक्का लगाया।

सनराइजर्स के खिलाफ बल्लेबाजी में सुधार करना होगा पंजाब को

केकेआर से मिली हार से उबरना चाहेगी हैदराबाद

किंग्स : पहले स्थान पर
एसआरएच : तीसरे स्थान पर

हैदराबाद | एजेंसी

पिछले दो मैचों में बल्लेबाजों की नाकामी के कारण हार का सामना करने वाली पंजाब किंग्स की टीम को अगर अपना अभियान वापस पटरी पर लाना है तो उसे बुधवार को यहां सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में फिर से अपनी आक्रामक लय हासिल करनी होगी। लगातार छह मैच जीतने वाली पंजाब की टीम पिछले दो मैचों में लड़खड़ा गई है। इन मैचों में हार ने उसकी उन कमजोरियों को उजागर किया है जिन्हें वह जल्द से जल्द दूर करना चाहेगी। पंजाब किंग्स भले ही नौ मैचों में 13 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है लेकिन अब गलतियों की गुंजाइश काफी कम हो गई है, क्योंकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), सनराइजर्स हैदराबाद, राजस्थान रॉयल्स और गुजरात टाइटन्स सभी उससे केवल एक अंक पीछे हैं। बल्लेबाजों की नाकामी के कारण पंजाब किंग्स को पिछले कुछ मैच में हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले के मैचों में उसके बल्लेबाजों ने अपने आक्रामक अंदाज का शानदार नमूना पेश किया था। बल्लेबाजों के अच्छे प्रदर्शन के कारण इन मैचों में उसकी गेंदबाजी की कमियों पर किसी का खास ध्यान नहीं गया।

लड़खड़ा रहा है शीर्षक्रम

शुरुआती दौर में लय बनाने वाले शीर्ष क्रम के बल्लेबाज लड़खड़ा गए हैं। प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिह और कूपर कोनोली की युवा तिकड़ी की आक्रामक रणनीति लापरवाही में बदल गई है। इससे टीम को शुरुआती झटके सहने पड़े और मध्य क्रम को पारी संभालने की जिम्मेदारी उठानी पड़ी। पंजाब किंग्स का मध्य क्रम भी चोटी के बल्लेबाजों की नाकामी के बाद अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाया जबकि पूरे टूर्नामेंट के दौरान उसकी गेंदबाजी बहुत अच्छी नहीं रही है। यहां तक कि पंजाब किंग्स जब जीत दर्ज कर रहा था तब भी उसके गेंदबाजों ने विपक्षी बल्लेबाजों को बीच-बीच में खुलकर रन बनाने दिए हैं। यही नहीं उसकी गेंदबाजी में महत्वपूर्ण मौकों पर अनुशासन की कमी के कारण अच्छा अंत करना लगातार एक समस्या बनी हुई है।

राजस्थान रॉयल्स की बोली हारना निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा का प्रतिबिंब नहीं : सोमानी

नई दिल्ली | एजेंसी

अमेरिका स्थित काल सोमानी की अगुवाई वाले समूह ने उद्योगपति लक्ष्मी एन मित्तल के नेतृत्व वाले समूह से राजस्थान रॉयल्स के स्वामित्व की बोली हारने पर 'गहरी निराशा' व्यक्त करते हुए मंगलवार को इस बात से इनकार किया कि उसने बोली प्रक्रिया से हाथ खींच लिया था और कहा कि अंतिम परिणाम 'निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा' को नहीं दर्शाता है। राजस्थान रॉयल्स फ्रेंचाइजी के अनुसार लक्ष्मी मित्तल और उनके बेटे आदित्य मित्तल ने वैक्सीन निर्माता अदार पूनावाला के साथ मिलकर राजस्थान रॉयल्स में 1.65 बिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 15,600 करोड़ रुपये) में बड़ी हिस्सेदारी हासिल कर ली, क्योंकि सोमानी (टेक्नोलॉजी उद्यमी), रॉब वाल्टन (वॉलमार्ट समूह) और शीला फोर्ड हैम्प (फोर्ड समूह) के समूह ने अपना नाम वापस ले लिया। सोमानी की अगुवाई वाले समूह ने विज्ञप्ति में कहा, 'छह महीने की लंबी प्रक्रिया के दौरान हम शुरू से अंत तक प्रमुख बोलीदाता थे और ऐसे में राजस्थान रॉयल्स के स्वामित्व समूह का हिस्सा न बन पाने से हम बेहद निराश हैं।' इसमें आगे कहा गया है, मीडिया में जो बातें फैलाई गई हैं उसके विपरीत हमारा समूह पूरी तरह से वित्त पोषित था और स्वामित्व हासिल करने के लिए तैयार था। हमारा समूह निश्चित रूप से सौदा पूरा करने के लिए तैयार था।

मैनचेस्टर सिटी ने ड्रॉ खेला, आर्सेनल की खिताब जीतने की संभावना बढ़ी

लिवरपूल | एजेंसी

जेरेमी डोकु के दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के सातवें मिनट में किए गए गोल की मदद से मैनचेस्टर सिटी ने एवर्टन के खिलाफ मैच 3-3 से ड्रॉ खेला जिससे प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के खिताब की दौड़ में शीर्ष पर चल रहे आर्सेनल की स्थिति मजबूत हो गई।

इस ड्रॉ के साथ सिटी का लगातार तीन जीत का सिलसिला टूट गया और वह अब आर्सेनल से पांच अंक पीछे हो गया है। आर्सेनल के 35 मैच में 76 और सिटी के 34 मैच में 71 अंक हैं। डोकु ने मैच के बाद कहा,"यह परिणाम निराशाजनक है लेकिन अभी काफी मैच खेले जाने हैं और कुछ भी हो सकता है। आज हमने दो अंक गंवा दिए, लेकिन हम अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेंगे।" डोकु ने 43वें मिनट में सिटी के लिए पहला गोल किया था जबकि एर्लिंग हॉलैंड ने 83वें मिनट में दूसरा गोल दागा। एवर्टन की तरफ से थिएर्नो बैरी ने दो (68वें और 81वें मिनट) और जैक ओब्रायन (73वें) ने एक गोल किया। इससे पहले चेल्सी को प्रीमियर लीग में लगातार छठी हार का सामना करना पड़ा। नॉटिंघम फॉरेस्ट से 3-1 से हारने के बाद चैंपियंस लीग में क्वालीफाई करने की उसकी उम्मीदें लगभग खत्म हो गईं।

व्यापार स्टार

पश्चिम एशिया में तनाव से शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स 252 अंक फिसला

मुंबई | एजेंसी

वैश्विक तनाव बढ़ने और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बीच मंगलवार को घरेलू शेयर बाजारों में बिकवाली के दबाव की वजह से गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स में 252 अंक की गिरावट आई जबकि निफ्टी 86 अंक टूटकर बंद हुआ। विश्लेषकों के मुताबिक, होर्मुज जलडमरूमध्य क्षेत्र में बढ़ता तनाव और अमेरिका-ईरान के बीच संघर्ष विराम पर दबाव घरेलू बाजार में गिरावट की मुख्य वजह रही। इसके अलावा कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बीच रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचने से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स उतार-चढ़ाव भरे सत्र में 251.61 अंक यानी 0.33 प्रतिशत गिरकर 77,017.79 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 754.37 अंक लुढ़ककर 76,515.03 के स्तर तक आ गया था। वहीं, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 86.50 अंक यानी 0.36 प्रतिशत टूटकर 24,032.80 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से आईसीआईसीआई बैंक, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, भारती एयरटेल और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। दूसरी तरफ, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व और बजाज फाइनेंस में बढ़त दर्ज की गई।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'घरेलू बाजार में उतार-चढ़ाव भरा सत्र रहा और चुनावों के बाद का उत्साह कमजोर पड़ने के साथ बढ़ते वैश्विक तनाव के बीच दुनिया के अन्य बाजारों में कमजोर रुख के अनुरूप बाजार में गिरावट रही।' नायर ने कहा कि ऊंचे कच्चे तेल के दामों का दबाव बने रहने से रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गया। इन प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद कंपनियों के उम्मीद से थोड़े बेहतर परिणामों ने कुछ सहारा दिया और चुनिंदा शेयरों में निचले स्तर पर खरीदारी देखी गई। व्यापक बाजार में मझोली कंपनियों का बीएसई मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.12 प्रतिशत के नुकसान में रहा जबकि छोटी कंपनियों के स्मालकैप सेलेक्ट सूचकांक में 0.14 प्रतिशत की गिरावट रही। क्षेत्रवार सूचकांकों में रियल्टी खंड सर्वाधिक 1.38 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ जबकि शीर्ष 10 बैंक सूचकांक में 0.79 प्रतिशत, सेवा खंड में 0.63 प्रतिशत और टिकाऊ उपभोक्ता खंड में 0.62 प्रतिशत की गिरावट रही। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख (संपत्ति प्रबंधन) सिद्धार्थ खेमका ने कहा, पश्चिम एशिया में नए सिरे से बढ़ते तनाव और रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ जाने से घरेलू बाजार दबाव में रहे। यूएई में ऊर्जा अवसंरचनाओं पर नए हमलों से तेल आपूर्ति को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

अनिश्चितताओं के बीच कच्चे तेल के वायदा कीमत में गिरावट

नयी दिल्ली। कमजोर वैश्विक रुख के बीच कारोबारियों द्वारा अपने सौदों की कटान करने से वायदा कारोबार में मंगलवार को कच्चा तेल की कीमत 143 रुपये की गिरावट के साथ 9,914 रुपये प्रति बैरल रह गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में कच्चे तेल का मई माह में डिलिवरी होने वाला अनुबंध 143 रुपये या 1.42 प्रतिशत की गिरावट के साथ 9,914 रुपये प्रति बैरल रह गया। इसमें 18,277 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार की कमजोर मांग के बीच कारोबारियों द्वारा अपने जमा सौदों की कटान करने से कच्चातेल वायदा कीमतों में गिरावट आई। वैश्विक स्तर न्यूयॉर्क में वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट कच्चा तेल 1.88 प्रतिशत की गिरावट के साथ 104.42 डॉलर प्रति बैरल रह गया जबकि ब्रेंट क्रूड का दाम 1.10 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता 113.18 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

रुपया शुरुआती कारोबार में 20 पैसे टूटकर 95.43 प्रति डॉलर पर

मुंबई | एजेंसी

रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 20 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.43 पर पहुंच गया। खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी और ईरानी सेनाओं के बीच नए सिरे से हुए सैन्य संघर्ष के बाद बाजार की भावनाएं अस्थिर रहने के कारण घरेलू मुद्रा दबाव में है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि खाड़ी देशों में अस्थिरता के कारण निवेशकों की चिंता से सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर भारी मात्रा में पूंजी का पलायन हो रहा है जिसमें अमेरिकी डॉलर को सबसे अधिक लाभ मिल रहा है।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि ब्रेंट तेल की कीमत 113 डॉलर के आसपास बनी हुई है जिससे भारत जैसी तेल आयात करने वाली अर्थव्यवस्थाएं दबाव में हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.30 प्रति डॉलर पर खुला। हालांकि शुरुआती कारोबार में 20 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.43 पर आ गया। रुपया सोमवार को 39 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सर्वकालिक निचले स्तर 95.23 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.51 पर रहा।

घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार 361.62 अंक टूटकर 76,907.78 अंक पर जबकि निफ्टी 134.90 अंक फिसलकर 23,980.60 अंक पर आ गया। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 1.07 प्रतिशत गिरावट के साथ 113.22 डॉलर प्रति बैरल रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) सोमवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने 2,835.62 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

मां बनने के बाद कटरीना कैफ की पहली पब्लिक अपीयरेंस

पति विक्की कौशल के साथ ब्लैक आउटफिट में स्पॉट हुईं, नवंबर में दिया बेटे को जन्म

बॉलीवुड एक्ट्रेस कटरीना कैफ ने मां बनने के बाद पहली बार पब्लिक अपीयरेंस दी। वो पति विक्की कौशल के साथ ऑल ब्लैक आउटफिट में स्पॉट हुई हैं। नवंबर में बेटे विहान को जन्म देने के बाद से ही कटरीना कैफ लाइमलाइट से दूर हैं। वो तब से ही पैपराजी की नजरों से बचती दिखती हैं। लेकिन रविवार को उन्हें मुंबई में विक्की के साथ स्पॉट किया गया। इस दौरान कटरीना कैफ ने ऑल ब्लैक आइटफिट कैरी किया। कटरीना ने ब्लैक ओवरकोट के साथ जेगिंग्स, स्पोर्ट्स शूज और डार्क सनग्लासेस से लुक कंप्लीट किया है। विक्की कौशल ने ब्लैक बैगी पेंट, टी-शर्ट और ब्राउन जैकेट के साथ कैप पहनकर लुक पूरा किया।

पैपराजी की नजरों से बचती दिखीं थीं कटरीना कैफ

इससे पहले भी कटरीना कैफ को मुंबई में स्पॉट किया गया था। तब वो कैमरों की नजरों से बचती दिखी थीं। हालांकि कार में बैठने के बाद उन्होंने कैमरों की तरफ देखकर वेव जरूर किया था। तब उन्होंने मास्क से चेहरा पूरी तरह छिपा रखा था।

हाल ही में विक्की कौशल ने ई-टाइम्स को दिए इंटरव्यू में कटरीना कैफ के मदरहुड फेज पर बात की है। उन्होंने कहा-मां ही असली सुपरहीरो है। उन्होंने अपनी प्रेग्नेंसी के दौरान एक योद्धा की तरह मजबूती

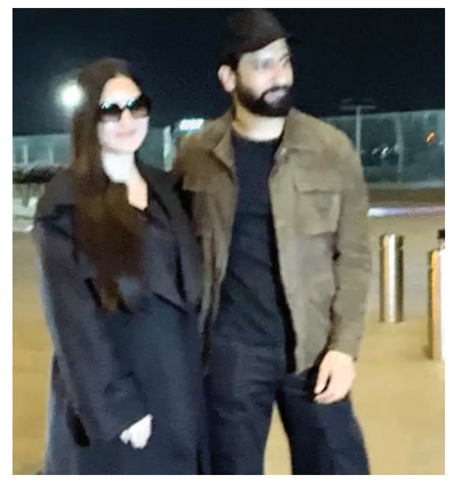

दिखाई है, और मां बनने के बाद भी वह उतनी ही मजबूत रही हैं। मुझे उन पर बेहद गर्व है, और मैं उनसे बहुत प्यार करता हूं।

7 नवंबर को दिया बेटे को जन्म, नाम रखा विहान

कटरीना कैफ ने 7 नवंबर को बेटे को जन्म दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी आधिकारिक घोषणा करते हुए लिखा था, हमारी खुशियों का पिटारा आ गया है। बहुत सारे प्यार आभार के साथ हम अपने बेटे का स्वागत करते हैं। 7 नवंबर 2025। कटरीना और विक्की। बेटे के जन्म के करीब डेढ़ महीने बाद विक्की कटरीना ने बेटे के नाम की घोषणा की। उन्होंने बेटे का नाम विहान कौशल रखा है। इसकी घोषणा करते हुए कपल ने लिखा, हमारी रोशनी की किरण विहान कौशल। दुआओं का जवाब मिला। जिंदगी खूबसूरत है। हमारी दुनिया अचानक बदल गई। आभार के लिए शब्द नहीं हैं।

दो सालों से फिल्मों से दूर हैं कटरीना कैफ

कटरीना कैफ को आखिरी बार साल 2024 की फिल्म मैरी क्रिसमस में देखा गया है। फिल्म में उनके साथ विजय सेतुपति लीड रोल में थे। इसके बाद से ही एक्ट्रेस किसी फिल्म में नजर नहीं आई हैं। इस साल भी उनकी कोई फिल्म रिलीज नहीं होगी।

शादी के 4 साल बाद बनीं मां

कटरीना कैफ ने 9 दिसंबर 2021 में एक्टर विक्की कौशल से शादी की थी। दोनों की पहली मुलाकात एक अवॉर्ड शो में हुई थी, जिसके बाद दोनों चंद मुलाकातों के बाद रिलेशनशिप में आ गए थे। कपल ने हिंदू रीति-रिवाजों से राजस्थान के सवई माधौपुर के सिक्स सेंस रिसोर्ट में शादी की है।

गायक से संगीतकार बनने की राह पर श्रेया घोषाल

कहा-हर गायक के अंदर छिपा होता है एक संगीतकार

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता पार्श्व गायिका श्रेया घोषाल ने हिंदी सिनेमा को कई शानदार और रोमांटिक गानों से नवाजा है। उनकी आवाज का जादू कानों में मिश्री घोल देता है लेकिन किसी सिंगर का सिर्फ अच्छा गायक होना ही जरूरी नहीं है बल्कि उसे अंदर से एक बेहतर संगीतकार होना भी जरूरी है। हाल ही में श्रेया घोषाल ने आईएएनएस से खास बातचीत में संगीत और संगीतकार के विजन के बारे में खुलकर बात की। गायक से संगीतकार बनने के संघर्षों पर बात करते हुए सिंगर ने आईएएनएस से कहा, यह संघर्ष कठिन है क्योंकि मैं लगातार ऐसा करती रहती हूँ। मैंने अपने द्वारा रचित कुछ सिंगल रिलीज़ किए हैं और मैंने ये अपने छोटे भाई के साथ मिलकर किया है। हालांकि मैं कहूँगी कि एक गायिका के अंदर एक संगीतकार छिपा होता है। उन्होंने आगे कहा कि ये दो अलग-अलग रास्ते नहीं हो सकते क्योंकि जब किसी गायक को कोई गाना दिया जाता है, तो सभी संगीतकार उनसे उस गाने का पूरी तरह से पालन करने के लिए नहीं कहते हैं। उन्होंने आगे कहा, आप यह भी सोचते हैं, 'मैं गाने में क्या जोड़ सकती हूँ?' जब आप माइक पर होते हैं, तो आप लगातार रचनात्मक होते हैं। आप गाने में रंग भरते हैं, उसे किसी न किसी तरह से निखारते हैं या उसमें अपनी आत्मा डालते हैं। इस प्रक्रिया में, आप कुछ रचनाएँ और कुछ विचार जोड़ देते हैं, और यह एक बहुत ही सहज प्रक्रिया है। श्रेया घोषाल संगीत रचना की दुनिया में कदम रखना चाहती है, लेकिन समय की कमी के कारण ऐसा नहीं कर पा रही है। उन्होंने बताया, अगर आप स्वतंत्र रूप से संगीत बना रहे हैं, तो आपको इसमें काफी स्वतंत्रता मिलती है। फिल्मों के लिए, कभी-कभी यह बहुत ही मुश्किल होता है, लेकिन समय की कमी के कारण मैं खुद को इस प्रलोभन से बचाती हूँ। मैं यह करना चाहती हूँ, लेकिन मुझे फिर किसी एक को चुनना होगा, और मुझे लगता है कि मैं शायद एक संगीतकार के रूप में उतनी अच्छी नहीं हूँ। श्रेया घोषाल लता मंगेशकर और आशा भोंसले को अपना आदर्श मानती हैं और उन्हीं की तरह गायन में निपुण होने के सफर को ही पूरा करना चाहती हैं, लेकिन अगर उन्हें समय मिला तो वे संगीत रचना की कला में भी आगे जाकर जरूर हाथ आजमाएंगी।

'मेरे जख्म मेरी कहानी बयां करते हैं...' राजश्री देशपांडे ने शेयर कीं मार्मिक तस्वीरें

टीवी और फिल्म अभिनेत्री राजश्री देशपांडे ने ब्रेस्ट कैंसर से अपनी लड़ाई और जीत की कहानी को बेहद साहस के साथ सोशल मीडिया पर साझा किया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें उन्होंने अपने शरीर पर बचे सर्जरी के निशानों को खुलकर दिखाया और उन्हें अपनी ताकत व हिम्मत का प्रतीक बताया। इंडस्ट्री में जहां दिखावे और परफेक्शन को बहुत महत्व दिया जाता है, राजश्री देशपांडे ने सच्चाई और साहस को चुनते हुए एक मजबूत संदेश दिया है। इंस्टाग्राम पर किए पोस्ट में राजश्री ने लिखा, मेरे जख्म मेरी जिंदगी की कहानी बयां करते हैं। हर एक जख्म इस बात की याद दिलाता है कि मैंने लड़ाई लड़ी, मैं जिंदा बची और मैंने जीत हासिल की। उन्होंने आगे लिखा, ब्रेस्ट कैंसर ने अपने निशान तो छोड़े, लेकिन वह कभी भी मेरी हिम्मत को छू नहीं पाया। हर उस महिला से, जो अपनी चमक को फीका कर रही है प्लीज उठो। तुम बहुत खूबसूरत हो और तुम्हारे जख्म कोई दाग नहीं हैं, बल्कि वे तुम्हारे साहस का ताज हैं। राजश्री देशपांडे ने कहा कि आज वे अपनी फिल्म के प्रमोशन के लिए पूरे आत्मविश्वास के साथ खड़ी हैं। उनके दिल में प्यार है और रूह में हिम्मत। उन्होंने सभी महिलाओं को संदेश दिया कि जीवन को पूरी तरह से जीना चाहिए और अपने जख्मों को शर्मिंदगी की जगह ताकत बनाकर आगे बढ़ना चाहिए।

राजश्री की यह पोस्ट सोशल मीडिया पर काफी सराही जा रही है। कई महिलाएं और सेलिब्रिटी उनकी हिम्मत की तारीफ कर रहे हैं।

महाराष्ट्र डे पर संतोष डावखर का बड़ा ऐलान-

शहाजीराजे से रचेंगे इतिहास

डावखर फिल्म्स के बैनर तले, और संतोष डावखर द्वारा लिखी और डायरेक्ट की गई फिल्म शहाजीराजे का ऑफिशियल अनाउंसमेंट उसके जबरदस्त पहले पोस्टर के साथ किया गया। पोस्टर में शहाजीराजे का रॉयल, इंटेंस और शाही अवतार देखने को मिलता है, जो फिल्म के ग्रैंड स्केल की झलक देता है। पीछे बहती हवा और माहौल ऐसा फील देता है जैसे युद्ध का मैदान और उस दौर की कठिनाइयाँ सामने आ रही हों। यह फिल्म शहाजीराजे भोसले की शानदार जिंदगी की कहानी को बड़े पर्दे पर पहली बार लेकर आ रही है, जिसने ऑडियंस के बीच जबरदस्त क्यूरियोसिटी पैदा कर दी है।

महाराष्ट्र डे के शुभ मौके पर हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में एक दमदार ऐलान किया गया है। जहां संतोष डावखर की फिल्म गोंधळ दुनिया भर में अपना जलवा दिखा रही है, वहीं अब डायरेक्टर एक और भव्य ऐतिहासिक कहानी लेकर आ रहे हैं। डावखर फिल्म्स के बैनर तले, और संतोष डावखर द्वारा लिखी और डायरेक्ट की गई फिल्म शहाजीराजे का ऑफिशियल अनाउंसमेंट उसके जबरदस्त पहले पोस्टर के साथ किया गया। पोस्टर में शहाजीराजे का रॉयल, इंटेंस और शाही अवतार देखने को मिलता है, जो फिल्म के ग्रैंड स्केल की झलक देता है। पीछे बहती हवा और माहौल ऐसा फील देता है जैसे युद्ध का मैदान और उस दौर की कठिनाइयाँ सामने आ रही हों। यह फिल्म शहाजीराजे भोसले की शानदार जिंदगी की कहानी को बड़े पर्दे पर पहली बार लेकर आ रही है, जिसने ऑडियंस के बीच जबरदस्त क्यूरियोसिटी पैदा कर दी है। इस मौके पर संतोष डावखर ने कहा, महाराष्ट्र डे पर शहाजीराजे अनाउंस करना हमारे लिए बहुत खास है। हमारे इतिहास में कई प्रेरणादायक व्यक्तित्व रहे हैं, लेकिन शहाजीराजे का स्थान बेहद महत्वपूर्ण है। यह फिल्म उनके विजन, विरासत और योगदान को अगली पीढ़ी तक गर्व से पहुंचाने की हमारी कोशिश है। हम हमेशा ऐसी कहानियां बताने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो हमारी संस्कृति और इतिहास से गहराई से जुड़ी हों।

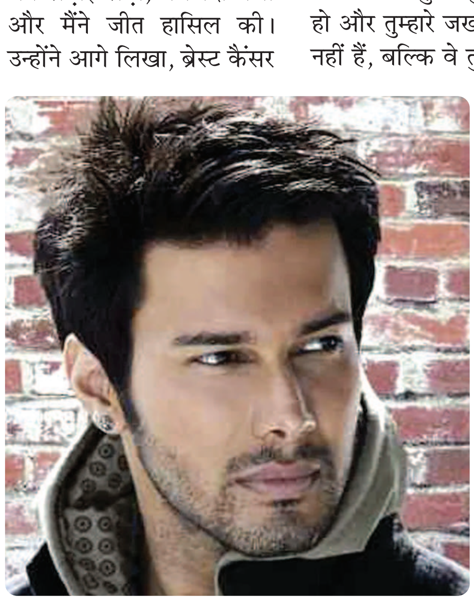

माइक्रो ड्रामा की दुनिया में कदम रखेंगे रजनीश दुग्गल, 'तुझे भुला दिया' में दिखेगा भावनाओं का समंदर

हिंदी फिल्मों और टेलीविजन इंडस्ट्री में अभिनय से अपनी पहचान बनाने के बाद अभिनेता रजनीश दुग्गल अब माइक्रो ड्रामा सीरीज में हाथ आजमाने जा रहे हैं। अभिनेता जल्द ही माइक्रो ड्रामा सीरीज तुझे भुला दिया में नजर आएंगे। अभिनेता ने आईएएनएस के साथ खास बातचीत की।

इस दौरान उन्होंने सीरीज में अपने किरदार और बदलते सिनेमा को लेकर चर्चा की। रजनीश ने बताया कि यह शो भावनाओं का एक गहरा समंदर है। सीरीज की कहानी बेहद इमोशनल है। इसमें मेरा किरदार एक ऐसे व्यक्ति का है, जो स्वभाव से काफी भावुक है। वह एक पिता और पति दोनों है। इस शो में दर्शकों को मानवीय रिश्तों के कई रंग देखने को मिलेंगे। इसमें सिर्फ प्यार ही नहीं, बल्कि धोखा, विश्वासघात और कई छिपे हुए सच भी शामिल हैं। कहानी का ताना-बाना इस तरह बुना गया है कि दर्शक अंत तक सस्पेंस में बने रहेंगे। उन्होंने बताया कि शुरुआत में वह माइक्रो-ड्रामा सीरीज से अनजान थे, लेकिन पिछले कुछ महीनों की रिसर्च ने उनकी आंखें खोल दीं।

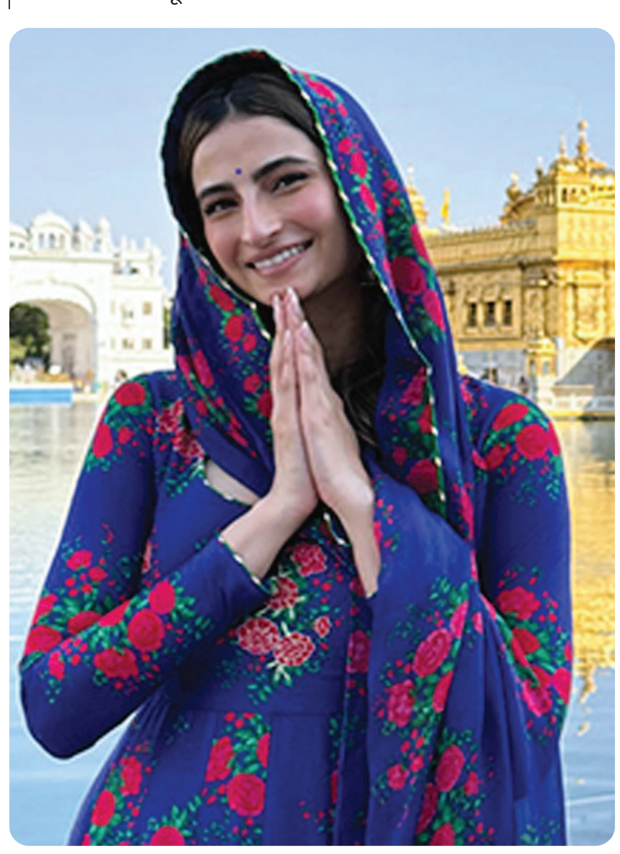

स्वर्ण मंदिर में दर्शन करने पहुंचीं अभिनेत्री पलक तिवारी

अभिनेत्री पलक तिवारी इन दिनों आगामी वेब सीरीज लुक्खे को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। पलक तिवारी ने अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर में माथा टेका और आशीर्वाद लिया। इसकी कुछ तस्वीरें उन्होंने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। पोस्ट की गई तस्वीरों में वे बेहद सादगी में नजर आ रही हैं। उन्होंने नीला और गुलाबी रंग का एक सुंदर पारंपरिक सूट पहना हुआ है। उन्होंने अपने सिर पर दुपट्टा रखा हुआ है। तस्वीरों में उन्हें स्वर्ण मंदिर के पवित्र सरोवर के किनारे हाथ जोड़कर खड़े और परिसर की सुंदरता को निहारते हुए देखा जा सकता है। अपनी पोस्ट के जरिए पलक ने बताया कि यह स्वर्ण मंदिर में उनका पहला आगमन है। अभिनेत्री ने अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए लिखा, स्वर्ण मंदिर में यह मेरा पहली बार जाना था। यह अनुभव सच में वैसा ही था, जैसा मैंने सोचा था। अत्यंत शांतिपूर्ण और जादुई। फिल्मों के बाद अब अभिनेत्री पलक तिवारी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। उनकी आगामी वेब सीरीज लुक्खे को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह है।

इस फिल्म के जरिए जहां, पलक ओटीटी डेब्यू कर रही हैं, तो मशहूर रैपर किंग अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। सीरीज में पलक सनोबर नामक किरदार निभा रही हैं, जो इमोशनल, प्यार और आंतरिक संघर्ष से भरा हुआ है। यह सीरीज पंजाब की पृष्ठभूमि में रैप संगीत, क्राइम और प्रतिशोध की कहानी है। सीरीज की कहानी लकी (लक्ष्यवीर) नाम के एक एथलीट के इर्द-गिर्द घूमती है, जो ड्रग सिंडिकेट का पर्दाफाश करने के लिए पंजाब की अंडरग्राउंड रैप दुनिया में प्रवेश करता है।

संक्षिप्त समाचार

होर्मुज जलडमरूमध्य में दोहरे हमले से बढ़ा तनाव, कुछ घंटों में दो जहाजों को बनाया गया निशाना

दुबई, एजेंसी। पश्चिम एशिया के संवेदनशील समुद्री मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य में एक बार फिर सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। कुछ ही घंटों के अंतराल में दो जहाजों पर हमले की घटनाओं ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ा दी है। ब्रिटेन की समुद्री सुरक्षा एजेंसी यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (चस्क्षह्र) ने सोमवार को बताया कि रविवार देर रात करीब 11:40 बजे संयुक्त अरब अमीरात के फुजैरा तट के पास एक तेल टैंकर को अज्ञात प्रोजेक्टाइल से निशाना बनाया गया। एजेंसी के अनुसार, हमले में जहाज के सभी चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं और किसी तरह का पर्यावरणीय नुकसान नहीं हुआ है। हालांकि, हमले के पीछे किसका हाथ है, इसे लेकर अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इससे पहले रविवार को ही इसी जलडमरूमध्य में एक अन्य जहाज पर भी हमला किया गया था। लगातार हो रही इन घटनाओं ने क्षेत्र में अस्थिरता को और बढ़ा दिया है, खासकर ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव के बीच विशेषज्ञों के मुताबिक, होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक तेल आपूर्ति का प्रमुख मार्ग है, जहां से दुनिया का बड़ा हिस्सा कच्चा तेल गुजरता है। ऐसे में यहां किसी भी तरह की सुरक्षा चूक या हमला वैश्विक बाजारों और समुद्री व्यापार पर व्यापक असर डाल सकता है।

अटलांटिक महासागर में क्रूज शिप पर हंटावायरस फैलने की आशंका, तीन यात्रियों की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। अटलांटिक महासागर में एक क्रूज शिप पर हंटावायरस फैलने का संदिग्ध मामला सामने आया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने रविवार को बताया कि इस बीमारी से अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है और तीन अन्य लोग बीमार हैं। जांच में अब तक हंटावायरस के एक मामले की पुष्टि हुई है। एक मरीज का दक्षिण अफ्रीका के अस्पताल में इलाज चल रहा है और उसकी हालत गंभीर है। स्वास्थ्य एजेंसी अधिकारियों के साथ मिलकर जहाज से दो अन्य बीमार यात्रियों को निकालने की कोशिश कर रही है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, हंटावायरस संक्रमण आमतौर पर संक्रमित चूहों के मल या मूत्र के संपर्क में आने से फैलता है। ड्ड।ह्व ने आधिकारिक तौर पर जहाज के नाम का खुलासा नहीं किया है। हालांकि, दक्षिण अफ्रीकी मीडिया के अनुसार यह घटना 'एमवी होंडियस' नामक जहाज पर हुई। यह क्रूज शिप अर्जेंटीना से केप वर्डे की ओर जा रहा था। जानकारी के अनुसार, यह नीदरलैंड के झंडे वाला एक यात्री जहाज है। रविवार रात को यह केप वर्डे की राजधानी प्रिया के बंदरगाह पर खड़ा था।

मोरक्को में सैन्य अभ्यास के दौरान 2 अमेरिकी सैनिक लापता, तलाश के लिए जमीन से आसमान तक रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू

मोरक्को, एजेंसी। उत्तरी अफ्रीका के देश मोरक्को से एक बड़ी और चिंताजनक खबर सामने आ रही है। अमेरिकी सेना ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि की है कि मोरक्को में चल रहे एक बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास के दौरान उसके दो सैनिक लापता हो गए हैं। इस घटना के बाद पूरे इलाके में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है और लापता सैनिकों की सुरक्षित वापसी के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। अमेरिकी अफ्रीका कमांड द्वारा रविवार (3 मई 2026) को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, दोनों सैनिक शनिवार को लापता हुए थे। यह घटना दक्षिण-पश्चिमी मोरक्को के तान तान शहर के पास स्थित कैप द्रा ट्रेनिंग एरिया के करीब हुई। हालांकि, अभी तक लापता हुए सैनिकों की पहचान और उनके लापता होने के सटीक कारणों का खुलासा नहीं किया गया है। सेना ने स्पष्ट किया है कि घटना की जांच की जा रही है। लापता सैनिकों को खोजने के लिए अमेरिकी सेना, मोरक्को के सुरक्षा बलों और अभ्यास में शामिल अन्य सहयोगी देशों ने मिलकर एक संयुक्त खोज और बचाव अभियान शुरू किया है। अमेरिकी सैन्य कमान के मुताबिक, इस ऑपरेशन में जमीन, वायु और समुद्री सैन्य संपत्तियों का उपयोग किया जा रहा है। विशेषज्ञ टीमों के साथ-साथ हेलीकॉप्टर और निगरानी विमानों को भी तलाशी अभियान में तैनात किया गया है ताकि उस दुर्गम इलाके के हर कोने को खंगाला जा सके। 'अफ्रीकन लायन' अमेरिकी सेना द्वारा अफ्रीकी महाद्वीप पर आयोजित किया जाने वाला सबसे बड़ा वार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास है। इस साल भी हजारों की संख्या में सैनिक अपनी युद्ध क्षमता और रणनीतिक कौशल का प्रदर्शन करने के लिए इस अभ्यास में शामिल हुए हैं। इस बड़े पैमाने के अभ्यास का मुख्य उद्देश्य भाग लेने वाले देशों के बीच इंटरोपरेबिलिटी को मजबूत करना है। इसके माध्यम से विभिन्न देशों की सेनाएं एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करना सीखती हैं ताकि अफ्रीका और दुनिया के अन्य हिस्सों में आने वाले संकटों या किसी भी आपात स्थिति के प्रति तत्परता और तैयारी को बेहतर बनाया जा सके।

तेहरान के 14-सूत्रीय प्रस्ताव पर आया यूएस का जवाब, ईरान कर रहा अमेरिकी प्रतिक्रिया की समीक्षा

तेहरान , एजेंसी। पश्चिम एशिया में 28 फरवरी से शुरू हुई जंग फिलहाल युद्धविराम की छांव में है। पर्दे के पीछे से अमेरिका-ईरान के बीच बातचीत के प्रयास किए जा रहे हैं। इस बीच ईरान ने अपने 14 सूत्रीय शांति प्रस्ताव पर अमेरिका से मिले जवाब की समीक्षा शुरू कर दी है। तेहरान का कहना है कि यह योजना केवल युद्ध खत्म करने के लिए है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने रविवार को बताया कि तेहरान को अपने प्रस्ताव पर वॉशिंगटन का जवाब मिल गया है। यह संदेश पाकिस्तान के माध्यम से ईरान तक पहुंचा है। बघाई ने कहा कि ईरान इस समय अमेरिकी नजरिए की समीक्षा कर रहा है। पूरी प्रक्रिया खत्म होने के बाद ईरान अपनी प्रतिक्रिया देगा। बघाई ने जोर देकर कहा कि ईरान का '14 सूत्रीय प्रस्ताव' केवल क्षेत्र में चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए है। इसमें परमाणु मुद्दे से जुड़ी कोई बात शामिल नहीं है। उन्होंने बताया कि इस समय उनका पूरा ध्यान लेबनान सहित पूरे क्षेत्र में लड़ाई रोकने पर है। उन्होंने उन खबरों को भी गलत बताया जिनमें कहा गया था कि प्रस्ताव में होर्मुज जलडमरूमध्य से बारूदी सुरंगें हटाने की बात है। ईरान ने किसी भी दबाव या समय सीमा के तहत बातचीत करने से साफ इनकार कर दिया है। तेहरान चाहता है कि सभी मुद्दों का समाधान 30 दिनों के भीतर हो, जबकि अमेरिका ने दो महीने के संघर्षविराम का सुझाव दिया था। ईरान की मुख्य मांगों में उसकी जमी हुई संपत्ति को मुक्त करना, प्रतिबंध हटाना और क्षेत्र से अमेरिकी सेना की वापसी शामिल है। ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा कि अब गेंद अमेरिका के पाले में है। उसे कूटनीति या टकराव में से एक रास्ता चुनना होगा। दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह इस योजना की समीक्षा करेंगे, लेकिन उन्हें नहीं लगता कि यह स्वीकार करने लायक होगी। ट्रंप ने चेतावनी दी कि सैन्य विकल्प अभी भी खुले हैं। उन्होंने कहा कि ईरान ऐसी चीजें मांग रहा है जिन्हें वह मान नहीं सकते। सीजफायर के बाद भी सुलह दूर, ईरान के 14-पॉइंट प्लान पर अमेरिका का जवाब ईरान और अमेरिका के बीच दो हफ्ते के सीजफायर के बाद सुलह को लेकर अब तक कोई बात नहीं बन पाई है। इस बीच ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि अमेरिका ने युद्ध खत्म करने के लिए ईरान के 14-पॉइंट वाले प्रस्तावित प्लान पर जवाब दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने सरकारी आईआरआईबी टीवी को दिए एक इंटरव्यू में इसकी जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि अमेरिकी की तरफ से दिए गए जवाब की समीक्षा की जा रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान का प्लान सिर्फ युद्ध खत्म करने पर फोकस है और इसमें न्यूक्लियर फील्ड की डिटेल्स से जुड़ी कोई बात नहीं है। बघाई ने आगे कहा कि अभी, हम लेबनान समेत इस इलाके में युद्ध खत्म करने से जुड़े पैरामीटर्स पर फोकस कर रहे हैं। इस स्टेज पर न्यूक्लियर को लेकर हमारी कोई बातचीत नहीं है। जबकि, अमेरिका का मुख्य मुद्दा ही न्यूक्लियर है। ईरान ने बार-बार इस बात से इनकार किया है कि वह न्यूक्लियर बम बनाने की कोशिश कर रहा है। ईरान का कहना है कि उसका प्रोग्राम सिर्फ शांतिपूर्ण कामों के लिए है, हालांकि यह देश अकेला ऐसा देश है जिसके पास न्यूक्लियर हथियार नहीं हैं और जिसने यूरेनियम को हथियार-ग्रेड लेवल के करीब संवर्धन किया है। होर्मुज जलडमरूमध्य में फिर हमला, कुछ ही घंटों में दो जहाज बने निशाना पश्चिम एशिया के संवेदनशील समुद्री क्षेत्र होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर हमलों की घटनाएं तेज हो गई हैं। सोमवार को ब्रिटिश सैन्य एजेंसी ने जानकारी दी कि कुछ ही घंटों के अंतराल में दो जहाजों को निशाना बनाया गया है, जिससे क्षेत्र में पहले से मौजूद तनाव और बढ़ गया है। ब्रिटेन की समुद्री सुरक्षा एजेंसी यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस के मुताबिक, रविवार देर रात करीब 11:40 बजे संयुक्त अरब अमीरात के फुजैरा तट के पास एक तेल टैंकर पर अज्ञात प्रोजेक्टाइल से हमला किया गया। एजेंसी ने बताया कि हमले के बावजूद जहाज के सभी क्रू सदस्य सुरक्षित हैं और किसी तरह का पर्यावरणीय नुकसान भी नहीं हुआ है। हालांकि, हमले के तरीके और हमलावरों की पहचान को लेकर अभी तक कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। इससे पहले रविवार को भी इसी जलडमरूमध्य में एक अन्य जहाज पर हमला हुआ था। लगातार हो रही इन घटनाओं ने ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव को और गंभीर बना दिया है। सेना हटाने के फैसले के बीच जर्मन चांसलर का बयान, अमेरिका को बताया अहम साथी जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने अमेरिका को अपना सबसे महत्वपूर्ण साथी बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि उत्तरी अटलांटिक गठबंधन में अमेरिका जर्मनी का सबसे खास पार्टनर है। चांसलर का यह बयान तब आया है जब अमेरिका ने जर्मनी से अपने 5,000 सैनिकों को हटाने का फैसला किया है।

अफगानिस्तान में मीडिया पर शिकंजा: पत्रकारों पर खतरा बढ़ा, प्रेस स्वतंत्रता उल्लंघन के 150 मामले उजागर

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में मीडिया की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। अफगानिस्तान पत्रकार केंद्र की नई रिपोर्ट के अनुसार पिछले एक साल में प्रेस स्वतंत्रता और पत्रकारों के अधिकारों के कम से कम 150 उल्लंघन सामने आए हैं। यह रिपोर्ट मई 2025 से अप्रैल 2026 के बीच की घटनाओं पर आधारित है और विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस के मौके पर जारी की गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में सेंसरशिप, पाबंदियां और पत्रकारों पर दबाव काफी बढ़ गया है। इन 150 मामलों में से 127 में पत्रकारों को धमकियां दी गईं, जबकि 20 मामलों में उन्हें गिरफ्तार किया गया। इनमें से 4 पत्रकार अब भी हिरासत में हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के हवाई हमलों में राज्य संचालित रेडियो-टेलीविजन के दो कर्मचारियों की मौत भी हुई, जबकि एक घायल हुआ। हालांकि कुल मामलों की संख्या पिछले साल से थोड़ी कम है, लेकिन रिपोर्ट कहती है कि अब प्रतिबंधों की गंभीरता और सख्ती पहले से ज्यादा बढ़ गई है। यह बदलाव 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद लागू नीतियों के कारण हुआ है। मीडिया पर कई तरह की पाबंदियां लगाई गई हैं। 'जीवित प्राणियों की तस्वीरें' दिखाने पर रोक अब 34 में से 25 प्रांतों में लागू हो चुकी है, जिससे कम से कम 8 स्थानीय टीवी चैनल बंद हो गए हैं। इसके अलावा, 11 मीडिया संस्थानों को बंद कर दिया गया और 10 संगठनों के लाइसेंस रद्द कर दिए गए। सरकार के कई विभागों ने वीडियो रिपोर्टिंग और ऑन-कैमरा इंटरव्यू पर भी रोक लगा दी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि मीडिया को कंटेंट को लेकर भी कड़े निर्देश दिए जा रहे हैं जैसे बिना अनुमति वाले लोगों का इंटरव्यू नहीं लेना। कुछ मामलों में महिलाओं के नाम लेने या लाइव शो में उनसे बात करने पर भी चैनलों को निलंबित कर दिया गया। महिला पत्रकारों की स्थिति और भी खराब बताई गई है। कई जगह उनकी आवाज तक प्रसारण से हटा दी गई और उन पर काम करने की कड़ी पाबंदियां लगाई गईं। कुछ पत्रकारों को उनके पहनावे या दाढ़ी की लंबाई के आधार पर भी गिरफ्तार किया गया। तालिबान ने पुराने मीडिया कानूनों की जगह नए निर्देश लागू किए हैं, जो 'सदाचार और बुराई की रोकथाम' जैसे नियमों पर आधारित हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि आर्थिक संकट के कारण कई मीडिया संस्थान बंद हो रहे हैं।

7 दिन में 18 लोगों की मौत, 54000 से अधिक परिवार प्रभावित

नैरोबी, एजेंसी। केन्या में लगातार जारी भारी बारिश के कारण हाल में आई बाढ़ से पिछले एक सप्ताह में 18 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि अधिकतर लोगों की मौत डूबने से हुई है। देश के गृह मंत्रालय के अनुसार, देशभर में बाढ़ से पिछले एक सप्ताह में 18 लोगों की मौत हुई है और 54,000 से अधिक परिवार प्रभावित हुए हैं जिनमें से 6,000 परिवार देश की राजधानी नैरोबी के हैं। देशभर में कई विद्यालयों और अस्पतालों में पानी भर गया है तथा 17 सड़कों पर आवागमन बाधित हो गया है। भूस्खलन के कारण पश्चिमी रिफ्ट वैली क्षेत्र में हजारों लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं। देश के जलविद्युत बांधों में जलस्तर बढ़ने के कारण ताना और अथी नदियों के किनारे निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से ऊंचे स्थानों पर जाने की अपील की गई है। केन्या मौसम विज्ञान विभाग ने चेतावनी दी है कि मई के पहले दो सप्ताह में सामान्य से अधिक बारिश जारी रह सकती है। देश में बारिश का मौसम शुरू होने पर मार्च में भारी बारिश हुई थी, जिससे व्यापक पैमाने पर तबाही हुई। मार्च के अंत तक वर्षा जनित हादसों में 100 से अधिक लोग मारे गए। देश के गृह मंत्रालय के अनुसार, देशभर में बाढ़ से पिछले एक सप्ताह में 18 लोगों की मौत हुई है और 54,000 से अधिक परिवार प्रभावित हुए हैं जिनमें से 6,000 परिवार देश की राजधानी नैरोबी के हैं। देशभर में कई विद्यालयों और अस्पतालों में पानी भर गया है तथा 17 सड़कों पर आवागमन बाधित हो गया है। भूस्खलन के कारण पश्चिमी रिफ्ट वैली क्षेत्र में हजारों लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं। देश के जलविद्युत बांधों में जलस्तर बढ़ने के कारण ताना और अथी नदियों के किनारे निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से ऊंचे स्थानों पर जाने की अपील की गई है। केन्या मौसम विज्ञान विभाग ने चेतावनी दी है कि मई के पहले दो सप्ताह में सामान्य से अधिक बारिश जारी रह सकती है। देश में बारिश का मौसम शुरू होने पर मार्च में भारी बारिश हुई थी, जिससे व्यापक पैमाने पर तबाही हुई। मार्च के अंत तक वर्षा जनित हादसों में 100 से अधिक लोग मारे गए।

खालिस्तानी चरमपंथी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा, कनाडा की खुफिया रिपोर्ट में बड़ा खुलासा; अब कसेगा शिकंजा!

टोरंटो, एजेंसी। भारत और कनाडा के बीच लंबे समय से चले आ रहे तनावपूर्ण संबंधों के बीच एक बड़ी खबर सामने आ रही है। कनाडा की मुख्य खुफिया एजेंसी, कैनेडियन सिक्योरिटी इंटेलिजेंस सर्विस ने अपनी वर्ष 2025 की वार्षिक रिपोर्ट में खालिस्तानी चरमपंथियों को देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा घोषित कर दिया है। इस रिपोर्ट के आने के बाद अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और सुरक्षा गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। कनाडा सरकार की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी इस रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे किए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ खालिस्तानी चरमपंथी कनाडाई नागरिकों और वहां के संस्थानों के साथ गहराई से जुड़े हुए हैं। ये तत्व कनाडाई संस्थानों का लाभ उठाकर समुदाय के निर्दोष और भोले-भाले सदस्यों से भारी मात्रा में धन इकट्ठा करते हैं। चिंताजनक बात यह है कि इस धन का उपयोग बाद में हिंसक चरमपंथी एजेंडे को बढ़ावा देने और भारत के खिलाफ गतिविधियों को संचालित करने के लिए किया जाता है। भारत सरकार ने पहले ही इन अलगाववादी समूहों को आतंकवादी संगठनों की सूची में डाल रखा है, जो भारत के भीतर 'खालिस्तान' नाम से एक अलग देश की मांग करते हैं। यह रिपोर्ट एअर इंडिया की उड़ान संख्या 182 (कनिष्क) में हुए भीषण बम विस्फोट की 40वीं वर्षगांठ के ठीक एक साल बाद आई है। बता दें कि यह विस्फोट कनाडा के इतिहास का सबसे घातक आतंकवादी हमला माना जाता है जिसमें 329 बेगुनाह लोगों की जान चली गई थी। जिनमें अधिकांश कनाडाई नागरिक थे। रिपोर्ट में यह साफ बताया गया है कि इस हमले के पीछे कनाडा में मौजूद खालिस्तानी तत्वों का ही हाथ था। हालांकि, खुफिया एजेंसी ने यह भी कहा है कि केवल वे लोग जो हिंसा को बढ़ावा देते हैं या उसकी योजना बनाते हैं उन्हें ही चरमपंथी माना जाता है। रिपोर्ट के अनुसार, खालिस्तान के समर्थन में शांतिपूर्ण और अहिंसक तरीके से अपनी बात रखना उग्रवाद की श्रेणी में नहीं आता है। भारत और कनाडा के संबंध साल 2023 में उस वक्त अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए थे, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर भारत पर आरोप लगाए थे। भारत ने इन आधारहीन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया था।

हालांकि, अब सत्ता परिवर्तन के बाद प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के नेतृत्व में दोनों देशों के बीच संबंधों को फिर से पटरी पर लाने की कोशिशें की जा रही हैं।

यूक्रेन ने रूसी तेल बंदरगाह पर किया भीषण ड्रोन हमला, बाल्टिक और काला सागर में मची भारी तबाही

मास्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष अब एक नए और विनाशकारी मोड़ पर पहुंच गया है जहां से दोनों पक्ष अब एक-दूसरे के आर्थिक और ऊर्जा केंद्रों को निशाना बना रहे हैं। रविवार (3 मई 2026) को यूक्रेनी सेना ने रूस के बाल्टिक सागर स्थित प्रमुख तेल निर्यातक बंदरगाह प्रिमोर्स्क पर एक बड़ा ड्रोन हमला किया है। लेनिनग्राद के गवर्नर अलेक्जेंडर ड्रोज्डेंको ने इस बात की पुष्टि करते हुए बताया कि हमले के वजह से शहर में आग लग गई थी। जिसे कड़ी मशक्कत के बाद बुझा लिया गया। हालांकि, राहत की बात यह रही कि इस हमले से अभी तक किसी तेल रिसाव की खबर नहीं है। प्रिमोर्स्क बंदरगाह रूस के सबसे महत्वपूर्ण निर्यात केंद्रों में से एक है, जिसमें प्रतिदिन लगभग दस लाख बैरल तेल लोड करने की क्षमता है। गवर्नर ड्रोज्डेंको के अनुसार, इस उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में रात भर की सैन्य कार्रवाई के दौरान 60 से अधिक यूक्रेनी ड्रोनों को मार गिराया गया। हाल के महीनों में यूक्रेन ने रूसी ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमलों की रफ्तार को बढ़ा दी है। जो इस बात का संकेत है कि जंग अब सीमावर्ती क्षेत्रों से निकलकर रूस के आर्थिक हितों तक पहुंच गया है।

काला सागर में 'शैडो फ्लीट' पर हमला : इस हमले को देखते हुए अब ये लगने लगा है कि यूक्रेन की रणनीति केवल बाल्टिक सागर तक नहीं रही। राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने भी घोषणा की है कि यूक्रेनी बलों ने रूस के काला सागर स्थित नोवोरोसिस्क बंदरगाह के प्रवेश द्वार पर दो शैडो फ्लीट टैंकरों को आसानी से निशाना बनाया है। जेलेंस्की ने अपने टेलीग्राम संदेश में कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि ये टैंकर तेल परिवहन के लिए उपयोग किए जा रहे थे लेकिन अब वे ऐसा नहीं कर पाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि यूक्रेन अपनी लंबी दूरी की मारक क्षमताओं को जल, थल और आकाश में निरंतर विकसित करना जारी रखेगा। बता दें कि पिछले चार सालों से चल रहे इस जंग में दोनों पड़ोसी देश लगभग रोजाना एक-दूसरे पर विस्फोटकों से लदे सैकड़ों ड्रोन दाग रहे हैं। हाल ही में हुए हमले में रूसी क्षेत्र स्मोलेंस्क के एक अपार्टमेंट ब्लॉक पर हुए हमले में एक बच्चे सहित तीन लोग घायल हो गए। मास्को के गवर्नर आंद्रेई वोरोब्योव ने बताया कि शनिवार शाम एक गांव में हुए हमले में 77 वर्षीय एक बुजुर्ग की मौत हो गई। जबकि मास्को के मेयर के अनुसार राजधानी की ओर बढ़ रहे चार ड्रोनों को समय रहते मार गिराया गया। वहीं, अगर यूक्रेन की बात करें तो वहां भी स्थिति काफी तनावपूर्ण बनी हुई है। रूसी हमलों ने यूक्रेन के ओडेसा क्षेत्र के प्रमुख निर्यात टर्मिनलों को निशाना बनाया है। जिसमें एक ट्रक ड्राइवर सहित दो लोगों की मौत हो गई और बंदरगाह के बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा।

नेपाल की राजनीति में महा-भूचाल! बालेन शाह ने बदले 110 कानून, एक झटके में 1594 नियुक्तियां रद्द

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की राजनीति और प्रशासनिक व्यवस्था में रविवार (3 मई 2026) को बड़ा फेरबदल हुआ है। प्रधानमंत्री बालेंद्र (बालेन) शाह ने एक कड़ा रुख अपनाते हुए देशभर के विभिन्न संस्थानों में की गई 1500 से अधिक राजनीतिक नियुक्तियों को एक साथ समाप्त करने का निर्णय लिया है। इस कदम को नेपाल के हालिया इतिहास में सबसे बड़े संस्थागत सुधारों में से एक माना जा रहा है।

कैबिनेट बैठक और राष्ट्रपति की मंजूरी : प्रधानमंत्री बालेन शाह के नेतृत्व में हुई कैबिनेट बैठक के बाद सरकार ने आठ महत्वपूर्ण अध्यादेशों को मंजूरी के लिए राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल के पास भेजा था। इनमें से एक अध्यादेश विशेष रूप से सार्वजनिक निकायों में की गई राजनीतिक नियुक्तियों को समाप्त करने के लिए तैयार किया गया था। पिछली सरकारों की नियुक्तियां निशाने पर इस बड़े प्रशासनिक बदलाव की सबसे खास बात यह है कि इसमें किसी एक विशेष कार्यकाल की नहीं बल्कि पिछली कई सरकारों के दौरान की गई सभी नियुक्तियों को एक साथ निरस्त कर दिया गया है। चाहे वे नियुक्तियां केपी शर्मा ओली, शेर बहादुर देउबा, पुष्प कमल दहल 'प्रचण्ड' या सुशीला कार्की के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के समय की गई हों, बालेन सरकार ने उन सभी को शून्य घोषित कर दिया है। इस बड़े फैसले के लिए सरकार ने लगभग 110 अलग-अलग कानूनों में संशोधन का रास्ता अपनाया है। इस फैसले से क्या पड़ेगा असर? बालेन सरकार के इस आदेश का सबसे बड़ा असर नेपाल के विश्वविद्यालयों और स्वास्थ्य निकायों पर पड़ा है। देश के प्रमुख शैक्षणिक संस्थान जैसे पूर्वांचल विश्वविद्यालय, पोखरा विश्वविद्यालय, संस्कृत विश्वविद्यालय, कृषि एवं वन विज्ञान विश्वविद्यालय, और लुम्बिनी विश्वविद्यालय के उपकुलपति , रजिस्ट्रार और अन्य शीर्ष पदाधिकारी हटा दिए गए हैं। वहीं, स्वास्थ्य क्षेत्र में भी उथल-पुथल देखी जा रही है। नेपाल मेडिकल काउंसिल, नर्सिंग काउंसिल, स्वास्थ्य अनुसंधान परिषद और चिकित्सा शिक्षा आयोग के पदाधिकारियों के साथ-साथ कई सरकारी मेडिकल कॉलेजों के अस्पताल निदेशकों को भी पदमुक्त कर दिया गया है। दूरसंचार से लेकर पर्यटन तक का बदलाव केवल शिक्षा और स्वास्थ्य ही नहीं बल्कि नेपाल दूरसंचार प्राधिकरण, नागरिक उड्डयन प्राधिकरण, पर्यटन बोर्ड, प्रेस काउंसिल, और कर्मचारी संचय कोष जैसे प्रमुख निकायों में भी बड़े स्तर पर फेरबदल हुआ है। यहां तक कि माओवादी संघर्ष के बाद गठित शांति प्रक्रिया से जुड़े अहम निकाय जैसे सत्य निरूपण आयोग के पदाधिकारी भी इस फैसले की जद में आए हैं। जहां एक ओर सरकार इसे देश की जर्जर प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार का एक बड़ा मास्टरस्ट्रोक बता रही है।

होर्मुज स्ट्रेट में फंसे जहाजों को निकालने के लिए अमेरिका ने शुरू किया 'प्रोजेक्ट फ्रीडम'

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका, होर्मुज स्ट्रेट से कमर्शियल जहाजों को निकालने के लिए सेना की मदद से एक बड़ा ऑपरेशन शुरू करेगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच फंसे जहाजों को निकालने के लिए मानवीय मदद की घोषणा की है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि कई देशों ने मदद के लिए वाशिंगटन से संपर्क किया और कहा है कि उनका चल रहे झगड़े से कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन फिर भी जहाज होर्मुज स्ट्रेट में फंसे हुए हैं। उन्होंने कहा, 'ईरान, मिडिल ईस्ट और अमेरिका की भलाई के लिए, हमने इन देशों से कहा है कि हम उनके जहाजों को इन बंद पानी के रास्तों से सुरक्षित बाहर निकालेंगे।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस कोशिश को 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' बताया।

यह ऑपरेशन मिडिल ईस्ट टाइम के हिसाब से सोमवार सुबह शुरू होने वाला है। ट्रंप ने कहा कि इस कदम का मकसद न्यूट्रल और बेकसूर लोगों की मदद करने के साथ यह सुनिश्चित करना है कि जहाज आजादी से और अच्छे से अपना काम कर सकें। उन्होंने इस पहल को मानवीय दखल के तौर पर बताया और कहा कि कई जहाजों पर हालात खराब हो रहे हैं। उन्होंने कहा, 'इनमें से कई जहाजों में खाना और बड़े क्रू के लिए स्वास्थ्य और साफ-सुथरे तरीके से जहाज पर रहने के लिए जरूरी दूसरी सभी चीजें कम पड़ रही हैं। ट्रंप ने यह भी बताया कि ईरान के साथ कूटनीतिक बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा, 'मुझे पूरी तरह पता है कि मेरे प्रतिनिधि ईरान के साथ बहुत सकारात्मक बातचीत कर रहे हैं और इन बातचीत से सभी के लिए कुछ बहुत सकारात्मक हो सकता है। हालांकि, उन्होंने किसी भी रुकावट के खिलाफ चेतावनी दी और कहा, 'अगर किसी भी तरह से इस मानवीय प्रक्रिया में दखल दिया जाता है, तो दुर्भाग्य से, उस दखल से सख्ती से निपटना होगा। ' यूएस सेंट्रल कमांड (सीईएनटीओएम) ने कन्फर्म किया है कि उसकी सेना 4 मई से शुरू होने वाले मिशन का समर्थन करेगी ताकि होर्मुज के जरिए कमर्शियल शिपिंग के लिए नेविगेशन की आजादी बहाल की जा सके। पेंटागन के डायरेक्टेड ऑपरेशन में एक बड़ी मिलिट्री तैनाती शामिल होगी। सीईएनटीओएम के बयान के मुताबिक, समर्थन में गाइडेड-मिसाइल डिस्ट्रॉयर, 100 से ज्यादा जमीन और समुद्र पर आधारित एयरक्राफ्ट, मल्टी-डोमेन अनमैन्ड प्लेटफॉर्म और लगभग 15,000 सेवा सदस्य शामिल होंगे। सीईएनटीओएम ने कहा, 'राष्ट्रपति के निर्देश पर यह मिशन उन व्यापारी जहाजों का समर्थन करेगा जो जरूरी इंटरनेशनल ट्रेड कॉरिडोर से आसानी से गुजरना चाहते हैं। समुद्र में दुनिया के तेल व्यापार का एक चौथाई हिस्सा और बड़ी मात्रा में फ्यूल और फर्टिलाइजर प्रोडक्ट्स इसी स्ट्रेट से ट्रांसपोर्ट किए जाते हैं। ' सीईएनटीओएम कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर ने कहा, 'इस डिफेंसिव मिशन के लिए हमारा समर्थन क्षेत्रीय सुरक्षा और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए जरूरी है क्योंकि हम नेवल ब्लॉकेड भी बनाए हुए हैं। ' इस ऑपरेशन को बड़े डिप्लोमैटिक और मिलिट्री कोऑर्डिनेशन की कोशिशों से भी समर्थन मिलेगा। राज्य विभाग ने युद्ध विभाग के साथ साझेदारी में, अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के बीच जानकारी साझा करने और सहयोग को बेहतर बनाने के लिए मैरीटाइम फ्रीडम कंस्ट्रक्ट लॉन्च किया है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com